मासिक समाचार पत्रिका वर्ष 10, अंक 01, सितंबर 2023

RNI NO. - JHAHIN/2014/64119

पुलिस पब्लिक रिपोर्टर

अपराध एवं भ्रष्टाचार के विरुद्ध

चाँद पर हिन्दुस्तान

एक मुलाकात

अजय कुमार सिंह

पुलिस महानिदेशक, झारखंड

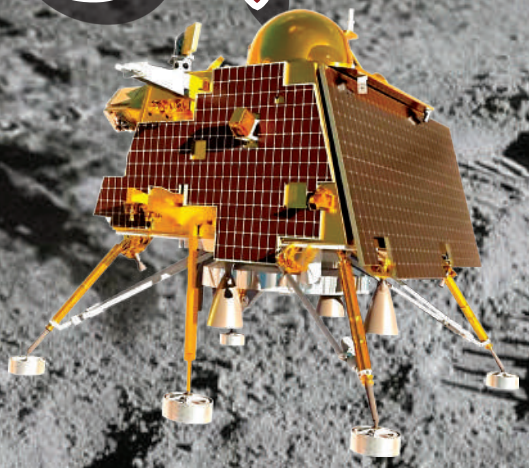

50/-

YOUTUBE : www.youtube.com/pprliveindia SUBSCRIBE NOW web news portal : www.pprliveindia.com

पुलिस पब्लिक रिपोर्टर
अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर
PPR LIVE INDIA के रूप में...

COMING SOON

PPR LIVE
POLICE PUBLIC REPORTER

पब्लिक की आवाज

भ्रष्टाचारियों का होगा अब पर्दाफाश... !

PRIYANKA SINGH | SHAHID KHAN | SARFARAJ QURAISHI | SANDEEP MISHRA | PRITI RAGINI

SUBSCRIBE NOW...

YouTube https://www.youtube.com/@pprliveindia

web portal : www.pprliveindia.com

संपादक की कलम से...

क्या चांद पर पहुंच जाने से ही भारत विकसित देश की श्रेणी में आ जाएगा... ?

मो. शाहिद खान
संपादक

चंद्रयान तीन के चांद पर सफल लैंडिंग और उसकी शोध ने पूरी दुनिया को चौंका रखा है, पूरी दुनिया चंद्रयान की खोज और शोध पर अपनी नज़रें टिकाई हुई है। इसके बाद हिंदुस्तान के शोहरत की चर्चे पूरी दुनिया में जोर-शोर से हो रही है।

चांद पर जीवन और इंसानों को बसाने की दिशा में चंद्रयान 3 की शोध मिल का पत्थर साबित हो सकती है..!

हमारे पड़ोसी देश के साथ-साथ दुनिया के कई विकसित देशों में काफी जलन और घबराहट देखने को मिल रही है। साथ ही हमारे देश के इस बड़े गौरव को प्राप्त करने के बाद बड़े से बड़े नेता और लोग भारत को विकसित देश की श्रेणी में रख रहे हैं लेकिन क्या यह सच है कि भारत आज विकसित देश की श्रेणी में है या आने वाले कुछ सालों में हो सकता है..?

इसका जवाब सिर्फ केवल एक ही हो सकता है कि आप अपने आसपास ईमानदारी से नजरों को घुमाकर आप देख सकेंगे कि भारत कितना विकसित है या विकसित हो सकता है..?

आपके मोहल्ले, आपके शहर, आपके गांव, आपके स्वास्थ्य सुविधा, आपके शिक्षा सुविधा, आपके रोजगार का स्तर, आपके कार्य की स्किल, आपके आय का स्रोत ही आपको बता देगा कि आप विकसित देश में जी रहे हैं या विकासशील देश में...!

चंद्रयान तीन का चांद पर पहुंचकर सफलता के साथ लैंडिंग करना और उसके बाद वहां रिसर्च करना भारत के लिए गौरव की बात है और हमेशा रहेगी क्योंकि यह इतिहास के पन्नों पर हिंदुस्तान के चांद पर परचम लहराने के रूप देखा जा सकता है, इसे भारत के विकसित देश होने से जोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण है, ऐसे नेता जो इसे भारत के विकसित देश के रूप में देख रहे हैं उन्हें देश की हर स्तर पर बदहाली को भी देखना होगा...!

इसमें कोई दो राय नहीं है कि हमारा चांद पर जाना और वहां से जानकारियां भेजना हर हिंदुस्तानी के लिए फक्र की बात है, अब हम एक और बड़े कदम को बढ़ाते हुए सूरज के नज़दीक जाने की कोशिश में है...

News Magazine
POLICE PUBLIC REPORTER
Against Crime & Corruption

वर्ष 10, अंक 01, सितंबर 2023

विशेष सलाहकार
- श्री सुबोध प्रसाद, पूर्व पुलिस महानिरीक्षक, झारखंड
- श्री रामनाथ सिंह, पूर्व पुलिस पदाधिकारी, झारखंड

संरक्षक सलाहकार
- प्रशांत कुमार

प्रधान संपादक
- मो. सरफराज कुरैशी

संपादक
- मो. शाहिद खान

ब्यूरो हेड
- समीर

ब्यूरो चीफ
- संदीप कुमार मिश्रा (झारखंड)
- जुम्मन रजा (लोहरदगा)
- मानंद विश्वकर्मा (जशपुर, छत्तीसगढ़)
- सत्यनारायण अग्रवाल (राउरकेला, उड़ीसा)
- मोहम्मद जिलानी (रोहतास, बिहार)
- आशीष कुमार एवं प्रकाश साहू, (हजारीबाग)
- बलभद्र बड़ाईक (सिमडेगा)
- अमित कुमार वर्मा (समन्वयक)

वरीय संवाददाता
- मो. इरशाद कुरैशी
- प्रियंका सिंह
- प्रीति रागिनी
- अनु सिंह

संवाददाता
- रोहित पांडे, रवि राम, दीपक गुप्ता, नबो दत्ता

छायाकार
- जयप्रकाश जयसवाल
- मो. इबरार गद्दी

कानूनी सलाहकार
- विजय कुमार पांडे, अधिवक्ता

स्वास्थ्य सलाहकार
- डॉक्टर हसनैन

मार्गदर्शन एवं परामर्शदाता
- नरगिस खान

पेज़ सज्जा
- विश्वजीत कुमार (सोनू)

सहयोगी आजीवन सदस्य
- शाहिद आलम (ब्यूरो चीफ), फैज़ अकरम

संपादकीय कार्यालय

खान कॉटेज, फिरदौस नगर, रोड नंबर 2, मानीटोला, डोरंडा, रांची, झारखंड 834002

संपर्क

9110054784
9334766002
8789059677

मुद्रित

हर्ष कम्प्यूटर प्वाइंट, पत्थर रोड, हिनू, डोरंडा, रांची झारखंड 9835134120

पत्रिका में प्रकाशित आलेखों में व्यक्त विचार, लेख, समाचार आदि लेखकों के हैं उनसे संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है. किसी भी तरह के कानूनी विवादों का निपटारा रांची न्यायालय के अधीन होगा.

स्वत्वधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक : मो. शाहिद खान, मुद्रित : हर्ष कंप्यूटर प्वाइंट, रांची, प्रकाशित : खान कॉटेज, फ़िरदौस नगर, रोड नंबर 2, मानीटोला, हिनू, डोरंडा, रांची, झारखंड.

शीर्षक भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक के कार्यालय द्वारा सत्यापित

मासिक पत्रिका के संशोधित मूल्य रु. 25 एवं विशेषांक पत्रिका मूल्य रु. 50

RNI No. - JHAHIN/2014/64119 POSTAL REGISTRATION.- RN/244/2016-18

जोहार

झारखंड सहित देश के समस्त नागरिकों को मेरी ओर से स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

15 अगस्त 1947 को भारत अपनी लम्बी पराधीनता को पराजित कर एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र के रूप में नए ऊर्जा के साथ विश्व के मानचित्र पर प्रखर रूप से उदीयमान हुआ। इस स्वर्णिम वेला को स्मरण करते हुए हम 15 अगस्त को राष्ट्रीय त्यौहार के रूप में हर्षोल्लास और उन्मुक्तता के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं।

भारत की स्वतंत्रता सदियों के संघर्ष का परिणाम है। यह मुक्ति संग्राम एक जन आंदोलन बना, जिसका सामाजिक सरोकार असाधारण कठिन और व्यापक था। शायद ही विश्व के किसी भूभाग में क्रांति के लिए ऐसे संघर्ष हुए हो, जहां सामंती शोषण और औपनिवेशिक कुटिलता को सहजता और नैतिक मूल्यों के साथ शोषण, उत्पीड़न और बर्बरता को अनशन और अवज्ञा के सहारे लड़ा गया हो। स्वतंत्रता आंदोलन में ब्रिटिश हुकूमत के द्वारा फैलाये गए सामाजिक वैमनस्यता को सामाजिक समरसता, औपनिवेशिक पाबंदियों को स्वालंबन, त्याग और आत्मनिर्भरता तथा न्यायिक असमानता का सामना साहस और बलिदान के बूते देश के वीर सेनानियों द्वारा किया गया।

आज संपूर्ण राष्ट्र उन वीर सेनानियों को कृतज्ञ भाव से याद करते हुए गौरवान्वित है, जिन सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर हमें आजाद भारत का स्वतंत्र नागरिक होने का स्वाभिमान दिया। हम उन महान देशभक्तों को नमन करते हुए यह प्रण ले कि हम उनके वैचारिक मूल्यों को संजोने के लिए सदैव ईमानदारी के साथ कर्मशील रहेंगे।

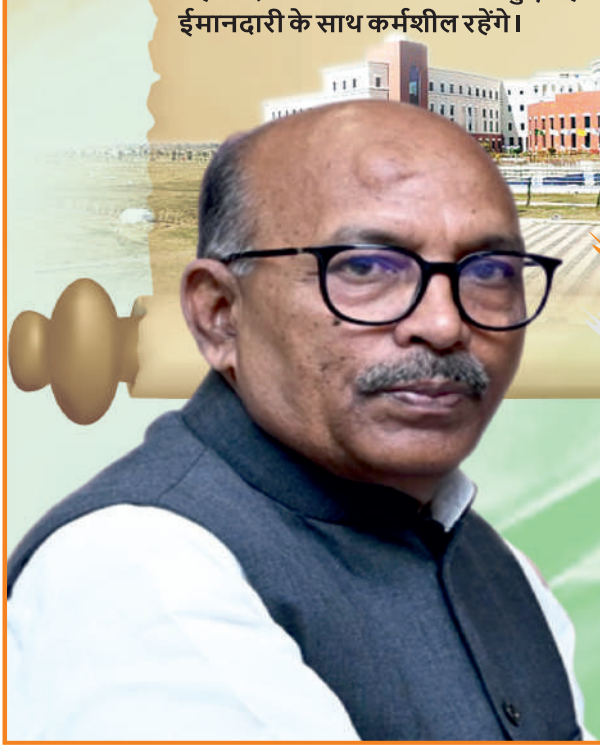

जय हिन्द

जय भारत ! जय झारखंड!

रबीन्द्र नाथ महतो
अध्यक्ष,
झारखण्ड विधानसभा, रांची

पुलिस पब्लिक रिपोर्टर ने कराया 'पुलिस पब्लिक वार्ता' का आयोजन

समीर हैजाजी

पुलिस पब्लिक रिपोर्टर द्वारा जुलाई में डोरंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत हिनू यूनाइटेड क्लब बिहारी मंडप मे पुलिस पब्लिक वार्ता का आयोजन किया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे डीएसपी हटिया राजा मित्रा, विशेष अतिथि के रूप मे भाजपा प्रदेश मंत्री सुबोध सिंह गुड्डू, डोरंडा थाना प्रभारी लक्ष्मी कांत, एकता ग्रुप के डायरेक्टर सतीश श्रीस्ताव, सेंट्रल मुहर्रम कमिटी के अध्यक्ष अशरफ अंसारी, महावीर मंडल के अध्यक्ष संजय पोद्दार, मंत्री पप्पू वर्मा,समाज सेवी राणा जफर अली आदि मौजूद रहे।

वार्ता के महत्वपूर्ण बिंदु जिसपर चर्चा हुई

- पुलिस व पब्लिक के बीच कैसे रिश्तों मे मजबूती लाया जाए।
- जनता कैसे बिना डर और संकोच के थाने मे अपनी समस्या लेकर पहुंचे।
- अपराध पर अंकुश कैसे लगाया जाए।
- युवाओं को नशे से दूर कैसे रखे।
- लोग आपस मे कैसे मिल जुल कर सभी पर्व त्यौहार मनाए।

मौके पर मुख्य अतिथि डीएसपी हटिया राजा कुमार मित्रा ने पुलिस पब्लिक रिपोर्टर और डोरंडा वासियों का जोहार के साथ स्वागत किया उसके बाद उन्होंने अपने वक्तव्य मे कहा अपराध पर अंकुश लगाने की दिशा में प्रशासन लगातार कार्य कर रहा है।नशा मुक्त समाज का निर्माण करना हमारा मुख्य उद्देश्य है। अपराधियों को चिन्हित कर करवाई किया जा रहा है।वही ऐसे कार्यकम लगातार होने चाहिए ऐसे कार्यक्रम से आपसी भाईचारा बड़ता है साथ ही पुलिस और पब्लिक के बीच दूरी कम होती है। वही विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री सुबोध सिंह गुड्डू ने कहा की पुलिस पब्लिक रिपोर्टर जनता और पुलिस के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है जो समाज मे आपसी भाईचारा बढ़ाने और अपराध पर अंकुश लगाने की दिशा में सराहनीय कार्य कर रहा है।साथ ही प्रशासन से ये मांग किया की डोरंडा थाना क्षेत्र के कुछ महत्वपूर्ण जगहों पर टीओपी का निर्माण भी करवाए जिससे अपराधियों पर अंकुश लगाने मे पुलिस को आसानी होगी। डोरंडा थाना प्रभारी लक्ष्मीकांत ने कहा की नशा को दूर करने के प्रति हम अग्रसर है। पुलिस और जनता के बीच आपसी तालमेल एवम सहभागिता बढ़ाने हेतु थाना मे शांति समिति का गठन किया गया है। साथ ही वॉट्सएप ग्रुप बनाया गया है जिसमे सूचना का आदान प्रदान प्रभावी एवम स्थाई रूप से होता है ।साथ ही अपराध पर अंकुश लगाने हेतु क्षेत्र के विभिन्न गली मोहल्लों में भी एंटी क्राइम चेकिंग चलाया जा रहा है। रोड सेफ्टी जागरूकता अभियान चला कर लोगो को यातायात के संबध में जागरूक किया जा रहा है। साथ ही स्कूल कॉलेजों के पास शक्ति मोबाइल के साथ तालमेल बैठा कर मनचलो एवं असामाजिक तत्वों पर नजर रख करवाई की जा रही है। एकता ग्रुप के डायरेक्टर सतीश श्रीवास्तव ने पुलिस पब्लिक रिपोर्टर टीम को पुलिस पब्लिक वार्ता के शानदार आयोजन और शुरुवात के लिए बधाई दी और कहा कि ऐसे कार्यक्रम से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। ऐसे कार्यक्रम सभी क्षेत्रों में किए जाने की जरूरत हैं। सेंट्रल मुहर्रम कमिटी के मौलाना मनिरुद्दीन ने कहा की समाज के लिए लोगो को सोचना चाहिए तभी अपराध पर रोक लगेगा। डोरंडा महावीर मंडल के अध्यक्ष संजय पोद्दार ने कहा की हटिया डीएसपी अपने सभी थाना प्रभारी के साथ मिल कर अपराधियों पर लगातार करवाई कर रहे है।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगो ने डोरंडा थाना क्षेत्र में हो रहे समस्याओं से पुलिस को अवगत कराया और विभिन्न मांगो को पूरा करने की बात कही, भाजपा नेता नजीबुल्लाह खान, डोरंडा महावीर मंडल के पप्पू वर्मा, पूर्व पार्षद कौशल किशोर महली, समाजसेवी शंभू गुप्ता, अफजल आदि ने मंच पर बैठे पुलिस अधिकारियों से सवाल किए जिसका जवाब पुलिस अधिकारियों द्वारा दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने मे पुलिस पब्लिक रिपोर्टर के प्रधान प्रधान संपादक मो सरफराज कुरैसी, संपादक मो शाहिद खान, ब्यूरो हेड समीर, ब्यूरो चीफ संदीप कुमार मिश्रा, अमित कुमार वर्मा, वरीय संवाददाता मो इरशाद कुरैशी, प्रियंका सिंह, अनु सिंह, इबरार गद्दी, नबो दत्ता, छायाकार जयप्रकाश जायसवाल, रोहित पांडेय, रवि राम आदि के साथ हिनू यूनाइटेड क्लब बिहारी मंडप के प्रेम श्रीवास्तव, अरविंद उपाध्याय, आलोक रंजन श्रीवास्तव आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन से जुड़े 354.28 करोड़ के उद्योग की स्थापना जमशेदपुर में होगी

354.28 करोड़ रुपए का निवेश, नवीनतम तकनीक का होगा उपयोग

झारखण्ड औद्योगिक एवं निवेश प्रोत्साहन नीति 2021 के वर्गीकृत क्षेत्रवार बड़ी परियोजनाओं से प्राप्त होने वाले निवेश तथा प्रत्यक्ष नियोजन के आधार पर ईकाई का वर्गीकरण मेगा श्रेणी के अंतर्गत किया गया है। इस ईकाई की प्रस्तावित क्षमता 4000+ Hydrogen IC Engine / Fuel Agnostic Engine and 10,000+ Battery system है, इस कार्य में हाइड्रोजन इंजन बनाने की नवीनतम तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जिसका लाभ आने वाले समय में पूरे देश को होगा।

हाइड्रोजन ईंधन के फायदे : हाइड्रोजन ऐसा ईंधन है, जिसकी क्षमता अन्य ईंधनों के अपेक्षा अधिक होती है। इसका एनर्जी लेबल अधिक होता है। यह सस्ता और हल्का होता है। ऐसे में पेट्रोल और डीजल के बीच इसे एक बेहतर विकल्प माना जा सकता है। हाइड्रोजन ईंधन से प्रदूषण को काफी हद तक नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है।

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की उपस्थिति में झारखंड मंत्रालय स्थित सभागार में आयोजित TCPL Green Energy Solution Pvt. Ltd के साथ उद्योग विभाग, झारखंड सरकार के बीच हाइड्रोजन इंजन निर्माण से संबंधित नई परियोजना हेतु MoU हस्ताक्षर कार्यक्रम संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाइड्रोजन इंजन निर्माण परियोजना हेतु टाटा मोटर्स एवं टाटा कमिंस के संयुक्त उपक्रम तथा झारखंड सरकार के बीच एमओयू होना निश्चित रूप से झारखंड के इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन है। ऐसे तो देश की आजादी से लेकर अब तक झारखंड में उद्योग के क्षेत्र में कई कड़ियां जुड़ी हैं। ईश्वर ने इस राज्य को विभिन्न प्रकार की खनिज संपदाओं से आच्छादित किया है, यही कारण है कि झारखंड में कई छोटे-बड़े उद्योग के साथ-साथ बड़े-बड़े तकनीकी उद्योग भी स्थापित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार झारखंड की धरती पर हाइड्रोजन इंजन निर्माण के लिए टाटा मोटर्स एवं टाटा कमिंस के संयुक्त उपक्रम के साथ समझौता हस्ताक्षर कर रही है। हाइड्रोजन इंजन परियोजना के शुरुआती दौर में हाइड्रोजन इंजन का इस्तेमाल सिर्फ हैवी व्हीकल में किया जाएगा परंतु धीरे-धीरे इसके दायरे बढ़ेंगे तथा छोटे वाहनों में भी हाइड्रोजन इंजन इस्तेमाल करने की परिकल्पना को पूरा किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि ऐसे ही प्रयासों से झारखंड पिछड़े राज्यों की श्रेणी से निकलकर देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शामिल होगा।

हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड प्रदेश का 30% हिस्सा जंगलों से घिरा हुआ है। छोटे-छोटे झार-वनों को मिला दें तो यह बढ़कर 50 प्रतिशत हो जाता है। वर्तमान समय में देश और दुनिया के लिए जलवायु परिवर्तन तेजी से चुनौती बनकर उभर रहा है। क्लाइमेट चेंज को लेकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पटल पर बड़ी-बड़ी गोष्ठियां, सेमिनार आयोजित कर चर्चाएं हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन को लेकर हमारी सरकार एक बेहतर कार्य योजना बनाते हुए जन सहभागिता के साथ कई क्षेत्रों में सकारात्मक कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली जैसे शहर की जलवायु के विषय में हम लोग अक्सर सुनते आ रहे हैं। प्रकृति के साथ चुनौती मानव जीवन के लिए भारी पड़ता हुआ दिख रहा है। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन का घातक असर दिख रहा है, इसे गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कहीं बेमौसम बरसात तो कहीं सुखाड़, कहीं बाढ़, विचित्र स्थिति बनी पड़ी है। प्रकृति के साथ ज्यादा छेड़-छाड़ करने का परिणाम भी हम सभी लोग देख रहे हैं। प्रकृति के साथ समन्वय स्थापित कर विकास के पथ पर आगे बढ़ने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में हाइड्रोजन इंजन निर्माण परियोजना जलवायु परिवर्तन में सुधार के लिए मिल का पत्थर साबित होगा। जमशेदपुर में देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन से जुड़े उद्योग की स्थापना होगी। इसको लेकर शुक्रवार को प्रोजेक्ट भवन में 354.28 करोड़ रुपए के निवेश से संबंधित एमओयू पर हस्ताक्षर मुख्यमंत्री की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

डीजीपी अजय कुमार सिंह से पुलिस पब्लिक रिपोर्टर की खास बातचीत

मिलिए पुलिस कप्तान पुलिस महानिदेशक अजय कुमार सिंह से...

मैं मो. शाहिद खान, संपादक 'एक मुलाकात' के खास साक्षात्कार में आपको एक ऐसी शख्सियत से रूबरू करा रहा हूं जिनके कंधों पर पूरे झारखंड राज्य की कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी होती है, जिनके जिम्मा राज्य की जनता की जान और माल की सुरक्षा की जिम्मेदारी रहती है। ऐसे जिम्मेवार पद वाले व्यक्तित्व किसी पहचान के मोहताज नहीं हो सकते। जी हां आज हम आपके सामने झारखंड राज्य के पुलिस कप्तान पुलिस महानिदेशक अजय कुमार सिंह से जुड़ी जानकारी यहां बता कर रहे हैं, जिसे शायद अब तक आप नहीं जानते होंगे। उनसे कही अनकही सवालों के जवाब हमने लिए हैं जो जनता के लिए भी और पुलिस विभाग के अधिकारी एवम कर्मचारियों के लिए भी अच्छी जानकारी हो सकती है।

अजय कुमार सिंह

पद	:	झारखंड पुलिस के मुख्या पुलिस महानिदेशक (डीजीपी)
पिता का नाम	:	श्री हरि सिंह
जन्मतिथि	:	03/01/1965
पैतृक स्थान	:	कानपुर (उत्तर प्रदेश)
शैक्षणिक योग्यता:		एमएससी(केमिस्ट्री)
पदस्थापन	:	महानिदेशक एवम पुलिस महानिरीक्षक, झारखंड, रांची।

(एएसपी) से (डीजीपी) झारखंड तक का सफर

एसपी रामगढ़	25/10/1991 - 18/08/1993
एसपी गोड्डा	19/08/1993 -25/05/1995
एसपी सारण (छपरा)	25/05/1995- 17/04/1997
एसपी लखीसराय	18/04/1997-27/07/1997
एसपी पूर्णिया	28/07/1997-18/06/1998
सीओ बीएमपी 18 बोध गया	19/06/1998-27/04/1999
एसपी मुंगेर	28/04/1999-13/11/1999
सीओ बी एम पी -8 बेगूसराय	14/11/1999-19/01/2001
एसपी रेल जमशेदपुर	20/01/2001-17/09/2001
एसपी देवघर	18/09/2001-30/09/2002
एसपी रेल धनबाद	01/10/2002-07/06/2003
सीओ बी एम पी - 4 बोकारो	08/06/2003-09/10/2003
एसपी कोडरमा	10/10/2003-02/08/2004
एसपी धनबाद	03/08/2004-26/05/2005
डीआईजी सीआईडी झारखंड रांची	27/05/2005-08/12/2006
डीआईजी हजारीबाग	09/12/2006-28/02/2009
आईजी (एचआर) झारखंड रांची	01/03/2009-18/10/2009
आईजी (एस.बी) झारखंड रांची	19/10/2009-28/07/2010
आईजी रेल झारखंड रांची	29/07/2010-30/01/2011
आई.जी (एमएचए. जीओआई) न्यू दिल्ली	31/01/2011-30/01/2016
एडीजी सीआईडी झारखंड रांची	10/03/2016-13/11/2017
एडीजी रेल झारखंड रांची	14/11/2017-28/07/2018
एडीजी सीआईडी झारखंड रांची	28/07/2018-01/06/2019
एडीजी एस बी झारखंड रांची	03/04/2019-12/04/2020
एडीजी(टी.एस & कॉमन) जे.के.डी रांची	12/04/2020-23/10/2020
डीजी रेल झारखंड रांची	23/10/2020-03/01/2022
डी.जी एच.क्यू.आर झारखंड रांची (एडिशनल चार)	23/10/2020-15/03/2021
सी.एम.डी जे.पी.एच.सी.एल झारखंड रांची (एडिशनल चार्ज)	26/03/2021-03/01/2022
सी.एम.डी जे.पी.एच.सी.एल झारखंड रांची (रेगुलर चार्ज)	03/01/2022-06/03/2023
डी.जी एसीबी झारखंड रांची (एडिशनल चार्ज)	13/05/2022-10/03/2023
डी.जी.पी झारखंड	15/02/2013-से अब तक

Q. पुलिस प्रमुख के रूप मे आपकी प्राथमिकताएं क्या है।

कमजोर हो चुके नक्सलवाद पर और कारगर नियंत्रण। अपराध विशेष कर संगठित अपराध के ऊपर नकेल कसना।

Q. ऐसा कोई कार्य अथवा बदलाव जो आप झारखंड पुलिस, झारखंड या झारखंड की जनता के लिए करना चाहते हो जिसे याद किया जाते रहे ।

आम जनमानस के साथ पुलिस के द्वारा अच्छे बर्ताव के साथ उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है।

Q. महिलाओं की सुरक्षा विशेष का ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा के लिए आपकी प्राथमिकताएं।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए शहर में शक्ति कमांडो पूर्व से कार्यरत हैं भविष्य में इसे और कारगर बनाने हेतु पिंक पेट्रोलिंग प्रारंभ करने की योजना पर कार्य चल रहा है ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक पुलिसिंग तथा अन्य इकाइयों से इस दिशा में कार्य किया जा रहा है।

Q. आप के कार्यकाल में एंटी करप्शन ब्यूरो ने भ्रष्टाचारियों पर नकेल कसने के लिए इतिहास रचा है।अब भ्रष्टाचारियों में डर का माहौल देखा जाने लगा है या कैसे मुमकिन हुआ

सर्वप्रथम एसीबी में सभी लंबित मामलों की समीक्षा की गई एवं अधीनस्थ को निर्देश दिया गए हैं ।एसीबी के नियंत्रण कक्ष को 24 /7 कार्यरत किया गया। सभी मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर्स के द्वारा नियंत्रण कक्ष पदाधिकारियों का मोबाइल नंबर आम जनता में प्रसारित कराया गया है ताकि भ्रष्टाचार से संबंधित शिकायत सर्व साधारण से प्राप्त हो सके ।इसमें आशातीत परिणाम सामने आए।

Q. नक्सल समस्या आज काफी कम हो चुकी है लेकिन नक्सल हमेशा से झारखंड के लिए बड़ी समस्या रही है । इसपर पूरी तरह से नियंत्रण के लिए आपकी क्या योजनाएं हैं।

झारखंड गठन के समय से ही यह राज्य नक्सली समस्या से जूझ रहा है।पुलिस एवं सरकार की इच्छा शक्ति से अब यह समाप्तप्राय है। वस्तुतः नक्सली समस्या के पनपने में कुछ सामाजिक आर्थिक परिवेश भी जिम्मेदार होते हैं।जिसका फायदा उठाकर सामान्य लोगों को गुमराह कर एवं भय पैदा कर वे अपना वजूद बनाते हैं। इसके भी उन्मूलन हेतु पुलिस प्रशासन की कार्रवाई तथा लोगों को कम्युनिटी पुलिसिंग एवं अन्य माध्यम से जागरूक करने पर समानरूप से ध्यान दिया जाता है।

Q. नक्सल समस्या कम हुई है लेकिन अपराध विशेष कर संगठित अपराध का तरीका और ग्राफ बढ़ता जा रहा है इस पर क्या योजना है।

अपराध अनुसंधान विभाग द्वारा संगठित अपराध से संबंधित अपराधियों की सूची तैयार कराकर उसके ऊपर संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षकों को लगातार कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया है। एटीएस को विशेष कर इस कार्य के लिए लगाया गया है।जिसके परिणाम भी सामने दिख रहे हैं।भविष्य में और कारगर तरीके से संगठित अपराध की रोकथाम एवं कार्रवाई हेतु अन्य राज्य की तर्ज पर इस राज्य में भी विशेष कानून बनाए जाने पर कार्य किया जा रहा है।

Q. पुलिसकर्मियों के लिए क्या एक तय सीमा अथवा घंटा तक काम लिया जा सकेगा जैसे अन्य विभाग के कर्मचारियों के लिए तय है।

कनीय पुलिसकर्मियों को यथासंभव 8 घंटे प्रतिदिन कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया है ।परंतु अन्य विभागों से इसकी तुलना नहीं की जा सकती ।विधि व्यवस्था संधारण के क्रम में आपातकालीन परिस्थिति में पुलिस को हर समय तैयार रहना होता है,विशेषकर जिम्मेदार पदों पर पदस्थापित पुलिस पदाधिकारियों को।

Q. क्या ज्यादा घंटे काम करने वाले पुलिसकर्मियों को अतिरिक्त भत्ता दिया जा सकता है?

निर्धारित समय से अधिक एवं अच्छा कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को विभिन्न प्रकार के पुरस्कारों से पुरस्कृत किया जाता है।

Q. क्या डिफेंस विभागों की तरह क्या पुलिसकर्मियों के लिए स्वास्थ्य शिक्षा आदि कल्याणकारी योजना की सुलभ सुविधा दी जाएगी?

पुलिस के आवास हेतु नए भवन /बैरक बनाए गए हैं। उनके परिवार के आवास के व्यवस्था के लिए भी जिले में बहुमंजिला भवन बनाए गए हैं ।जिससे भविष्य में सभी को उपलब्ध कराने की योजना है। अपना निजी भवन निर्माण के लिए सरकार की तरफ से सस्ते ब्याज दर पर गृह निर्माण अग्रिम की राशि पुलिसकर्मियों को उपलब्ध कराया जा रहा है । इसके साथ ही पुलिस कर्मियों के परिवार की शिक्षा एवं चिकित्सा हेतु समय-समय पर राशि उपलब्ध कराई जा रही है।

Q. 70 हजार पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य बीमा पर अब तक क्या वर्क हुए हैं?

नई स्वास्थ्य बीमा राज्य सरकार द्वारा लागू की गई है जो झारखंड पुलिस के लिए भी प्रभावी रहेगी।

Q. थानों में गाड़ियां और पीसीआर की स्थिति दयनीय है, इसे कैसे सुधारा जा सकता है?

लगभग 1200 नई गाड़ियां सरकार द्वारा झारखंड पुलिस के लिए खरीदी जा रही है।थाने पीसीआर एवं अन्य इकाइयों में प्रयोग में लाई जा रही है पुरानी गाड़ियों को इन गाड़ियों से पूर्ण रूपेण बदलने की योजना है।

Q. पुलिस और पब्लिक के बीच रिश्तों मे मधुरता और मजबूती कैसे लाया जा सकता है?

शहरी के प्रत्येक थानों में हेल्प डेस्क को पूर्णरूपेण क्रियाशील किया जाना है। इसके अतिरिक्त सामुदायिक पुलिसिंग के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के जनता से पुलिस संवाद कायम करती है जिसे और मजबूत किए जाने पर कार्य चल रहा है।

Q. पुलिस थानों में आज भी आमजन के साथ व्यवहार में मिठास की कमी है जिससे आमजन अपनी समस्या को लेकर थाने जाने से डरती है इसको कैसे दूर किया जा सकेगा?

हेल्प डेस्क पर अधिकतम संख्या में महिला पुलिस अधिकारियों/ कर्मियों को लगाया जा रहा है। जो थाने में कोई भी समस्या लेकर जाने वाले व्यक्तियों से प्रथम संवाद करेंगे तथा संबंधित अधिकारी के पास प्रस्तुत करेंगे ।इसमें आम आदमी को थाने जाने में कोई असुविधा नहीं होगी।

Q. क्या थाने को पब्लिक द्वारा ग्रेड दिया जा सकता हैं ,जिससे जिलों में पब्लिक की नजर में कौन सा थाना कितना आदर्श है उसे समझना आसान होगा, ऐसे आदर्श थानों और उनके पुलिसकर्मियों के साथ-साथ थाना क्षेत्र के पब्लिक के भरोसे में मजबूती आएगी ,एक सर्वे पब्लिक द्वारा हो उस पर आपकी क्या सोच है?

आंशिक रूप से यह सही है परंतु पुलिस का मुख्य कार्य आसामाजिक तत्वों/अपराधियों इत्यादि पर कार्रवाई करना है अतः वैसे व्यक्ति तो निश्चित रूप से असंतोष रहेंगे।थाने में परीवादियों के साथ पुलिस के व्यवहार या उनके आवेदन पर की गई करवाई का विश्लेषण वरीय पदाधिकारियों के द्वारा किया जाता है।

Q. मीडिया से जुड़े लोगों और उनकी सुरक्षा के लिए आप क्या कहना चाहेंगे?

पूर्व में ही मीडिया से जुड़े लोगों की सुरक्षा एवं उनसे अच्छा व्यवहार रखने हेतु सभी अधीनस्थों को निर्देशित किया गया है।

Q. पिछले 15 वर्षों से पुलिस पब्लिक रिपोर्टर पत्रिका प्रकाशन और अन्य विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित कर अपराध भ्रष्टाचार महिला उत्पीड़न पर सकारात्मक कार्य करने के साथ-साथ पुलिस और पब्लिक के बीच रिश्तों में मधुर बनाने का प्रयास करता रहा है एवं सामुदायिक पुलिसिंग को प्राथमिकता में रखते हुए लोगों को जागरूक करते आया है, इस विषय पर आप पुलिस पब्लिक रिपोर्टर के लिए क्या कहना चाहेंगे?

पुलिस पब्लिक रिपोर्टर का यह प्रयास काफी सराहनीय है और मैं आशा करता हूं की आगे भी पुलिस पब्लिक रिपोर्टर इस दिशा मे सकारात्मक कार्य करेगी।

Q. 22 जुलाई 2023 को पुलिस पब्लिक रिपोर्टर द्वारा पुलिस और पब्लिक के बीच की दूरियों को कम करने के उद्देश्य से रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र में पुलिस पब्लिक वार्ता की शुरूआत की है जिसे काफी सराहा गया। हम पूरे राज्य में ऐसे कार्यक्रम का आयोजन करना चाहते हैं इस पर आपकी क्या मार्गदर्शन?

पुलिस पब्लिक रिपोर्टर द्वारा आयोजित पुलिस पब्लिक वार्ता एक बहुत ही सकारात्मक शुरुआत है जिससे पुलिस और पब्लिक के बीच रिश्तों मे मजबूती आएगी, प्रशासन को अपराध पर अंकुश लगाने की दिशा मे भी कामयाबी मिलेगी जिसके लिए मैं पुलिस पब्लिक रिपोर्टर टीम को बधाई देता हूं और रांची जिला के साथ आप पूरे झारखंड में पुलिस पब्लिक वार्ता कार्यक्रम आयोजित करें इसके लिए मैं आपको शुभकामना और बधाई देता हूं।वही ऐसे कार्यक्रम मे यह ध्यान रखा जाना चाहिए की इसमें भागीदारी अधिकतम एवम निष्पक्ष लोग की हो।

Q. पुलिस पब्लिक रिपोर्टर के माध्यम से आप झारखंड वासियों को क्या संदेश देना चाहेंगे?

झारखंड पुलिस आपकी सेवा एवम सुरक्षा हेतु सदैव तत्पर है।

Q. समय के साथ पुलिस पब्लिक रिपोर्टर अब एक कदम आगे बढ़ते हुए डिजिटल प्लेटफार्म पर आ रही है इस पर आप क्या कहना चाहेंगे?

पुलिस पब्लिक रिपोर्टर का डिजिटल प्लेटफार्म पीपीआर लाइव के रूप मे आने को लेकर अग्रिम शुभकामनाएं और बधाई।

अंतरिक्ष में लहराया हमारा तिरंगा

चांद के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला दुनिया का पहला देश भारत

चंद्रयान-3 ने बुधवार 23 अगस्त को चांद के साउथ पोल पर लैंडिंग कर इतिहास रच दिया। भारत चांद के दक्षिणी ध्रुव पर कामयाब लैंडिंग करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। चंद्रयान-3 ने 30 किलोमीटर की ऊंचाई से शाम 5 बजकर 44 मिनट पर ऑटोमैटिक लैंडिंग प्रोसेस शुरू की और अगले 20 मिनट में सफर पूरा किया। शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चंद्रयान-3 के लैंडर ने चांद पर पहला कदम रखा। चांद पर पहुंचकर लैंडर ने मैसेज भेजा- मैं अपनी मंजिल पर पहुंच गया हूं। इसरो ने चंद्रयान को श्रीहरिकोटा से 14 जुलाई को लॉन्च किया था। 41वें दिन चांद के साउथ पोल पर लैंडिंग हुई। इस मिशन के कामयाब होने के बाद साउथ अफ्रीका से प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को बधाई देकर कहा- अब चंदामामा दूर के नहीं। वहीं इसरो के डायरेक्टर एस. सोमनाथ ने कहा- अगले 14 दिन हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। प्रज्ञान हमें चांद के वातावरण के बारे में जानकारी देगा। हमारे कई मिशन कतार में हैं।

प्रधानमंत्री मोदी बोले- चंदा मामा के दूर के नहीं, एक टूर के

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़कर वैज्ञानिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा- यह क्षण भारत के सामर्थ्य का है। यह क्षण भारत में नई ऊर्जा, नए विश्वास, नई चेतना का है। अमृतकाल में अमृतवर्षा हुई है। हमने धरती पर संकल्प लिया और चांद पर उसे साकार किया। हम अंतरिक्ष में नए भारत की नई उड़ान के साक्षी बने हैं।

लैंडिंग के आखिरी 20 मिनट थे मिनट्स ऑफ टेरर

चंद्रयान-3 के लैंडर की सॉफ्ट लैंडिंग में 20 मिनट लगे। इस ड्यूरेशन को '20 मिनट्स ऑफ टेरर' यानी 'खौफ के 20 मिनट्स' कहा जा रहा था।ये मिनट्स ऑफ टेरर शाम 5 बजकर 44 मिनट पर शुरू हुए। तब लैंडर से चंद्रमा 31 किमी दूर था। उसकी वर्टिकल लैंडिंग प्रोसेस शुरू हुई।

चंद्रयान 3 की सफलता के बाद चौथा देश बना भारत

अब तक चांद की सतह पर अमेरिका, चीन और रूस ही सॉफ्ट लैंडिंग कर पाया है। लेकिन आज यानी 23 अगस्त, 2023 को भारत ने भी इस सफलता में अपना नाम दर्ज कर लिया है। ऐसे में अब चंद्रयान-3 की सफलता के बाद भारत चौथा देश बन गया है।

मैं अपनी मंजिल पर पहुंच गया हूं

चांद पर पहुंचकर लैंडर ने मैसेज भेजा

भारत का चंद्रयान-3 मिशन आश्चर्यजनक रूप से चंद्रयान-2 से ज्यादा किफायती है। चंद्रयान-3 मिशन 14 जुलाई, 2023 को लॉन्च हुआ था। इसरो के पूर्व चेयरमैन के सिवन के मुताबिक, इस मिशन का जो अप्रूव्ड कॉस्ट है वो लगभग 250 करोड़ है। इसमें लॉन्च व्हीकल की लागत शामिल नहीं है, लेकिन लैंड रोवर और प्रोपल्शन मॉड्यूल की लागत शामिल है। इसके अलावा, लॉन्च सर्विस की लागत 365 करोड़ थी, ऐसे में पूरे मिशन की लागत 615 करोड़ या लगभग 75 मिलियन डॉलर के आसपास है।

इससे पहले दो बार झेलनी पड़ी हार

भारत अपना तीसरा यान चंद्रमा पर भेजा है। इससे पहले दो बार की गई इसरो की कोशिश असफल रही। हालांकि अपनी पहली कोशिश में भारत चांद पर पानी का पता लगाने में कामयाब रहा था।

चंद्रयान-3 से अब तक आए अपडेट्स

1. ILSA पेलोड ने चंद्रमा की सतह पर भूकंप रिकॉर्ड किया : 31 अगस्त को ISRO ने बताया कि चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर पर लगे इंस्ट्रूमेंट ऑफ लूनर सीस्मिक एक्टिविटी (ILSA) पेलोड ने चंद्रमा की सतह पर भूकंप की प्राकृतिक घटना को रिकॉर्ड किया है। ये भूकंप 26 अगस्त को आया था। इसरो ने बताया कि भूकंप के सोर्स की जांच जारी है।

2. LIBS पेलोड ने चांद पर सल्फर की पुष्टि की : 28 अगस्त को भेजे दूसरे ऑब्जर्वेशन में चांद के साउथ पोल पर सल्फर, एल्युमीनियम, कैल्शियम, आयरन, क्रोमियम, टाइटेनियम की मौजूदगी का भी पता चला है। सतह पर मैगनीज, सिलिकॉन और ऑक्सीजन भी हैं, हाइड्रोजन की खोज जारी है।

3. प्रज्ञान रोवर ने 4 मीटर का गड्ढा देखकर रास्ता बदला : 27 अगस्त को रोवर प्रज्ञान के सामने 4 मीटर व्यास वाला क्रेटर यानी गड्ढा आ गया। ये गड्ढा रोवर की लोकेशन से 3 मीटर आगे था। ऐसे में रोवर को रास्ता बदलने का कमांड दिया गया। इससे पहले भी प्रज्ञान करीब 100 मिमी गहरे एक छोटे क्रेटर से गुजरा था।

4. सतह पर प्लाज्मा मिला, लेकिन कम घना: लैंडर विक्रम पर लगे रेडियो एनाटॉमी ऑफ मून बाउंड हाइपरसेंसिटिव लोनोस्फियर एंड एटमॉस्फियर-लैंगम्यूर प्रोब (RAMBHA-LP) ने चांद के साउथ पोल पर प्लाज्मा खोजा है, हालांकि ये कम घना (विरल) है।

5. विक्रम लैंडर का पहला ऑब्जर्वेशन- सतह पर करीब 50 डिग्री तापमान: चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर में लगे चास्टे (ChaSTE) पेलोड ने चंद्रमा के तापमान से जुड़ा पहला ऑब्जर्वेशन भेजा है। ChaSTE यानी चंद्र सरफेस थर्मोफिजिकल एक्सपेरिमेंट के मुताबिक चंद्रमा की सतह और अलग-अलग गहराई पर तापमान में काफी अंतर है।

प्रज्ञान रोवर को स्लीप मोड में डाला गया

अब 22 सितंबर को इसके जागने की उम्मीद

इसरो ने 02 सितंबर को बताया कि प्रज्ञान रोवर ने अपना काम पूरा कर लिया है। इसे अब सुरक्षित रूप से पार्क कर स्लीप मोड में सेट किया गया है। इसमें लगे दोनों पेलोड APXS और LIBS अब बंद हैं। इन पेलोड से डेटा लैंडर के जरिए पृथ्वी तक पहुंचा दिया गया है। बैटरी भी पूरी तरह चार्ज है। रोवर को ऐसी दिशा में रखा गया है कि 22 सितंबर 2023 को जब चांद पर अगला सूर्योदय होगा तो सूर्य का प्रकाश सौर पैनलों पर पड़े। इसके रिसीवर को भी चालू रखा गया है। उम्मीद की जा रही है कि 22 सितंबर को ये फिर से काम करना शुरू करेगा। चंद्रयान-3 मिशन 14 दिनों का ही है। ऐसा इसलिए क्योंकि चंद्रमा पर 14 दिन तक रात और 14 दिन तक उजाला रहता है। रोवर-लैंडर सूर्य की रोशनी में तो पावर जनरेट कर सकते हैं, लेकिन रात होने पर पावर जनरेशन प्रोसेस रुक जाएगी। पावर जनरेशन नहीं होगा तो इलेक्ट्रॉनिक्स भयंकर ठंड को झेल नहीं पाएंगे और खराब हो जाएंगे। इससे पहले दिन में इसरो ने बताया था कि रोवर ने शिवशक्ति लैंडिंग पॉइंट से 100 मीटर की दूरी तय कर ली है। लैंडर और रोवर के बीच की दूरी का ग्राफ भी शेयर किया था। विक्रम लैंडर 23 अगस्त को चंद्रमा पर उतरा था। रोवर को यह दूरी तय करने में 10 दिन लगे।

लॉन्च हुआ सूर्य मिशन आदित्य एल1

इसरो के मुताबिक इस मिशन का लक्ष्य सूर्य के क्रोमोस्फेयर और कोरोना की गतिशीलता, सूर्य के तापमान, कोरोनल मास इजेक्शन, कोरोना के तापमान, अंतरिक्ष मौसम समेत कई दूसरे वैज्ञानिक पहलुओं का अध्ययन करना है.

भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी (इसरो) ने अपना पहला सूर्य मिशन आदित्य एल-1 लॉन्च कर दिया है। सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र श्रीहरिकोटा से आदित्य एल-1 सूर्य की ओर रवाना कर दिया गया। अंतरिक्ष यान को अपनी तय मंजिल तक पहुंचने में चार महीने (125 दिन) का समय लगेगा। आदित्य एल-1 को पृथ्वी सूर्य के बीच लैंग्रेंज प्वाइंट 1 (L1) में रखा जाएगा। पृथ्वी से इसकी दूरी 15 लाख किलोमीटर है। L1 प्वाइंट से सूर्य को सीधे देखने का प्रमुख लाभ मिलता है और यहां किसी भी अंतरिक्ष यान पर सूर्य और पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण बराबर हो जाती है, जिससे अंतिरक्ष यान की स्थिति स्थिर हो जाती है। इससे ईंधन की बचत होती है।

क्यों ज़रूरी है मिशन 'सूर्य' ?

सूर्य की सतह पर प्रचंड तापमान होता है। उसकी सतह पर मौजूद प्लाजमा विस्फोट तापमान की वजह है। प्लाजमा के विस्फोट की वजह से लाखों टन प्लाजमा अंतरिक्ष में फैल जाता है, जिसे कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) कहते हैं। ये प्रकाश की गति से पूरे ब्रहांड में फैल जाता है। कई बार सीएमई धरती की तरफ भी आ जाता है, लेकिन अमूमन धरती की मैगनेटिक फील्ड के कारण धरती तक पहुंच नहीं पाता। लेकिन कई बार सीएमई धरती की बाहरी परत को भेद कर धरती के वातावरण में घुस जाता है। सूर्य के कोरोनल मास इजेक्शन के धरती की तरफ आने पर पृथ्वी की कक्षा में चक्कर काट रहे सैटेलाइट का काफी नुकसान होता है। पृथ्वी पर भी शार्ट वेब संचार में बाधा पैदा होती है। इसलिए मिशन आदित्य एल-1 को सूर्य के नजदीक भेजा जा रहा है, ताकि समय रहते हुए सूर्य की तरफ से आने वाले कोरोनल मास इजेक्शन और उसकी तीव्रता का अंदाजा लगाया जा सके।

मो. सरफराज कुरैशी

क्या सरकारी शिक्षा व्यवस्था में सुधार संभव है?

आज मानव डिजिटल दुनिया में प्रवेश कर गया है । इसके बावजूद भी पुस्तकों का पढ़ना हमारे देश के महत्वपूर्ण नीतियों में शुमार है। आज परिवार के सदस्य या मुखिया यदि पढ़ा लिखा ना भी हो तो वह अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ता है । चाहे कितने भी पैसे खर्च करने पड़े वह सूखी रोटी खाकर अपने बच्चों की शिक्षा के लिए लगातार प्रयासरत रहता है। क्योंकि परिवार का मुखिया स्वयं पढ़ा लिखा हो या ना हो तो भी वह शिक्षा के महत्व को भलीभांति जानता है ।

वह ऑफिसों में बड़े-बड़े अफसरों को काम करते देखा है । और लंबी लंबी गाड़ियों में घूमते हुए देखा है । वह भी सपने देखता है कि उसका पुत्र भी भविष्य में पढ़ लिख कर बड़ा अफसर बनकर लंबी लंबी गाड़ियों में घूमे। अब प्रश्न यह उठता है कि जितनी लगन से जितने कठिन परिश्रम से घर का मुखिया अपने बच्चों को शिक्षित करने में लगा हुआ है । क्या वास्तव में उसके बच्चे को शिक्षा देने में उसके शिक्षक लगन और परिश्रम से सही शिक्षा दे रहे हैं। शायद नहीं।

अब वह गरीब क्या जाने । वह शिक्षकों को भगवान स्वरूप मांन रहा है । वह जान रहा है कि वह हमारे बच्चों के भविष्य निर्माता हैं । हमारे बच्चों को बड़ा अफसर बनाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहेगा । उनके बगैर शिक्षा कोई मायने नहीं रखता क्योंकि शिक्षा शिक्षक को ही हमारे बच्चों को देनी है । एक समय था जब शिक्षक वास्तव में भगवान स्वरूप होते थे । वह कठिन परिश्रम और लगन से अपने शिष्यों को पढ़ाते थे और उनके शिष्य महान वैज्ञानिक होते महान शिक्षाविद होते देश के बड़े-बड़े पदों पर उनके शिष्य विराजमान होते थे शिक्षा को वह भगवान का आशीर्वाद समझते थे और उनके शिष्य भी अपने गुरुओं की किसी भी प्रकार से सेवा करने से अपने को वंचित नहीं रखते थे । यही कारण था कि हमारे देश की साख चरम पर थी । लोग ईमानदार हुआ करते थे । बेईमानी उनके पास से भी गुजरती नहीं थी । परंतु ऐसे में 1835 ईस्वी में लॉर्ड मैकाले भारत आया और इसमें अंग्रेजी शिक्षा का प्रचार प्रसार करने का निर्णय लिया और उसने अंग्रेजी शिक्षा को भारत में फैलाने का जो उद्देश लेकर के आया था । उसमें वह शत-प्रतिशत सफल रहा उस समय से लेकर आज तक हमारी जो शिक्षा पद्धति थी उसमें बदलाव आना शुरू हो गया ।हिंदी शिक्षा पिछडती गई और अंग्रेजों की अंग्रेजी शिक्षा व्यवस्था हमारे देश मेंसर चढ़कर बोलती गई । फैलती गई है । जो भारतीय शिक्षा में विशेषकर नैतिक शिक्षा आदर सम्मान ईमानदारी धीरे-धीरे दम तोड़ती गई । अब स्थिति यह हैकि यदि बच्चे या युवा हिंदी नहीं जानते हैं तो कोई बात नहीं पर यदि वह अंग्रेजी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं तो वह समाज के लिए प्रतिष्ठा की बात है ।

इज्जत की बात है । हद तो यह है कि समाज के लोग आज अपनी मातृभाषा की भी इज्जत नहीं करते विशेषकर रखवाली नहीं करते यही वजह है कि हमारे देश मेंअंग्रेजी का प्रचलन ऐसा चला कि अपनी मातृभाषा पिछड़ती चली गई ।

हमारे देश में जितनी भी सरकारी शिक्षण संस्थाएं हैं । प्राइमरी विद्यालय से लेकर के महाविद्यालय तक हिंदी शिक्षा व्यवस्था लागू है । हां उसमें एक या दो विषय अंग्रेजी मे है जबकि संपूर्ण समाज में अंग्रेजी पढ़ाने का प्रचलन बढ़ा हुआ है । यही वजह है कि कोई भी अभिभावक या परिवार का मुखिया अपने बच्चों को अंग्रेजी शिक्षा दिलाना चाह रहा है । उसका हिंदी शिक्षा से मोहभंग होता प्रतीत हो रहा है जिस परिवार के पास थोड़ा भी पैसा आया उस का रहन सहन अंग्रेजों की भांति हो गया वह अपने देश की वेशभूषा को त्याग कर अंग्रेजों की दी गई वेशभूषा को ग्रहण करना शुरू कर दिया । हद तो यह है कि हिंदी नाम मात्र को रह गई है इसका फायदा वह परिवार उठा रहा है जिसने अपने बच्चों को अंग्रेजी की शिक्षा दी उसे यदि सरकारी नौकरी नहीं मिली तो वह गैर सरकारी शिक्षा संस्था या अंग्रेजी विद्यालय खोल कर बैठ बैठ गए । और शिक्षा एक व्यापार का रूपधारण कर लिया शिक्षा व्यवस्था पैसे कमाने का एक प्रमुख साधन बन गया और निम्न परिवार के लोग या मध्यवर्गीय परिवार के लोगअपने बच्चों कोअंग्रेजी शिक्षा दिलाने के लिए वह अपना सब कुछ दांव पर लगा रहे हैं । क्योंकि उनके दिमाग मेंबैठा दिया गया है कि देश का विकास अंग्रेजी शिक्षा से ही संभव है । और आपके बच्चे का भविष्य तभी उज्जवल होगा जब वहभली-भांति अंग्रेजी जान रहा हो यह भी एक महत्वपूर्ण कारण है की राज्य सरकार के कर्मचारीया पदाधिकारी केंद्र सरकार के कर्मचारियों या पदाधिकारी

या देश का व्यापारी अपने बच्चों को अंग्रेजी शिक्षा दिलाना अपनी शान समझते हैं। जबकि राज्य सरकारें और केंद्र सरकार सरकारी शिक्षा व्यवस्था शहरों से लेकर के गांवों तक मोहल्लों तक

हिंदी विद्यालय चलवा रहे हैं ।और काफी बड़ी राशि इस विद्यालय में खर्च कर रहे हैं । परंतु स्वयं के बच्चों के लिए वह भी अंग्रेजी माध्यम स्कूल ही पसंद करते हैं । उनके बच्चे भी अंग्रेजी शिक्षा संस्थानों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं । यही वजह है कि आज देश में अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों की बाढ़ सी आ गई है । टोलो मोहल्लो से लेकर के बड़े-बड़े शहरों तक अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय देखने को मिलेंगे बच्चों के परिवारों से शिक्षण शुल्क के नाम पर बहुत मोटी राशि वसूलते हैं।

ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या सरकारी शिक्षा व्यवस्था मे सुधार संभव है । आप सभी जानते हैं मानव यदि ठान ले तो वह असंभव को भी संभव कर सकता है। यह इच्छाशक्ति पर निर्भर है राज्य या केंद्र सरकार शिक्षा का एक अलग डिपार्टमेंट बना दी है । जिसके अधीन राज्य के अंदर जितने भी राजकीय विद्यालय है या उच्च विद्यालय हैं। या महाविद्यालय हैं। सभी की देखरेख शिक्षा विभाग द्वारा होता है । इसमें कर्मचारी से लेकर बड़े अफसर चक नियुक्त रहते है परंतु सरकारी दिशा निर्देश के अनुसार इन्हें अपने अधीन चलने वाले सरकारी विद्यालयों मे जाकर निरीक्षण करना है कि विद्यालय छात्रों को सही शिक्षा दे पा रही है अथवा नहीं। क्या समय पर शिक्षक उपस्थित हो रहे हैं। अथवा नहीं । क्या शिक्षक बच्चों को सही शिक्षा देने में सफल है? अथवा नहीं! परंतु दुर्भाग्य की बात है! बहुत कम ऐसे अफसर किसी भी स्कूल का दौरा करते हैं। ऐसे में आप कैसे कह सकते हैं कि सरकारी शिक्षा व्यवस्था में सुधार संभव है आप आगे पढ़ेंगे` विद्यालय खोलने के लिए गैर सरकारी या संस्थागत कौन से नियम लागू है कैसे आप प्राइवेट विद्यालय चला सकते हैं चाहे वह प्राइमरी हो या उच्च विद्यालय हो या महाविद्यालय हो क्या सभी विद्यालय सरकार के गाइडलाइन के हिसाब से चल रहे हैं आगे जानेंगे।

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

लक्ष्मीकांत

थाना प्रभारी, डोरंडा, रांची

लोगों को मिलेगी नई दिशा, दशा और रफ्तार

रांची में फ्लाइओवर निर्माण के बाद बदल जायेगी राजधानी की तस्वीर

शाहिद खान

राजधानी रांची आज जाम की दंश झेल रहा है। सड़कों पर रेंगती गाड़ियां और समय का असमय प्रबंधन हो जाना लाजमी है, जिससे लोगों के जीवन और जनजीवन पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। रांची का मेन रोड हो या रातू रोड हो या कांटा टोली के तरफ जाने वाली सड़के हो। चारों तरफ जाम की स्थिति भयावह बनी रहती है। जाम की वजह से गाड़ियों का रेंगना और पेट्रोल डीजल की खपत में बढ़ावा होना भी स्वाभाविक है। ऐसी स्थिति में समय की बर्बादी के साथ-साथ लोगों की पॉकेट पर भी इसका विपरीत असर पड़ता है।

15 नवंबर वर्ष 2000 झारखंड के निर्माण के बाद से ही राजधानी रांची के विकास में अप्रत्याशित विकास देखने को मिल रही है, जिसका असर यहां की सड़कों पर दौड़ती रेंगती गाड़ियों की संख्याओं से समझा जा सकता है। गाड़ियों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है लेकिन सड़क की जो जगह है वह वही है, इसलिए झारखंड निर्माण के बाद कई बार सरकार ने प्रोजेक्ट लाएं फ्लाईओवर सड़कों के निर्माण से संबंधित लेकिन उसे पटल पर नहीं लाया जा सका। परंतु अभी हाल फिलहाल में रांची में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। रांची राजधानी में बहुत तेजी से जिस तरफ काम हो रहा है वह है फ्लाईओवर्स का निर्माण।

1. सिरम टोली से मेकॉन चौक डोरंडा तक, जिसकी लंबाई 2.3 किलोमीटर, लागत 339 करोड़, जिसके शुरू होने का अनुमान जनवरी 2024 हैं।

2. कांटा टोली फ्लाईओवर, जिसकी लंबाई 2.4 किलोमीटर, लागत 224 करोड़, जिसके शुरू होने का अनुमान मार्च 2024 हैं।

3. रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर, जिसकी लंबाई 3.5 किलोमीटर, लागत 558 करोड़, जिसके शुरू होने का अनुमान जनवरी 2025 हैं।

इन सभी का निर्माण युद्ध स्तर पर जारी है जिसकी पूरे होने की संभावना 2024 से 2025 के बीच की है। आइए आज के इस कवर स्टोरी में हम जानेंगे राजधानी के इन तीन फ्लाईओवर के निर्माण से संबंधित जानकारियां और जानेंगे कैसे लोगों को मिलेगी जाम मुक्त रांची...!

1 सिरम टोली से मेकॉन चौक डोरंडा तक है, जिसकी लंबाई 2.3 किलोमीटर है, लागत 339 करोड़ हैं, जिसके शुरू होने का अनुमान जनवरी 2024 हैं

'जबसे फ्लाईओवर का निर्माण शुरू हुआ है लोगों की निगाहें हर रोज गुजरते हुए इन फ्लाईओवर पर पड़ती है कि कब यह फ्लाईओवर बनकर तैयार होगी और हमें जाम मुक्त रास्तों से गुजरने का सौभाग्य प्राप्त होगा।'

डोरंडा से कांटाटोली या कांटाटोली से डोरंडा, हिनू, एयरपोर्ट जाना काफी आसान हो जाएगा। सिरम टोली-मेकॉन चौक फ्लाईओवर के बनने से इन क्षेत्रों में जाना काफ़ी सुविधा जनक जायेगा. जिन्हें कांटाटोली से डोरंडा या डोरंडा से कांटाटोली आना जाना हो उन्हें फ्लाईओवर निर्माण के बाद क्लब रोड, सुजाता सिनेमा या ओवरब्रिज होकर गुजरने की जरूरत नहीं पड़ेगी, वही डोरंडा, एयरपोर्ट, हिनू, धुर्वा, हटिया इलाके के लोग भी सीधे फ्लाईओवर से सिरम टोली और फिर कांटाटोली पहुंच जाएंगे, जिसकी वजह से क्लब रोड, सुजाता चौक से राजेंद्र चौक रोड, स्टेशन रोड, कडरू में ट्रैफिक का बोझ काफी कम हो जाएगा, जिसका असर शहर के ट्रैफिक व्यवस्था पर पड़ेगा। खासकर मेन रोड जो लंबे समय से जाम का दंश झेल रहा हैं, वहा निश्चित रूप से लोगो को जाम से राहत मिलेगी..!

सिरम टोली मेकॉन चौक फ्लाईओवर में कुल 51 पियर है, जिसमें ज्यादातर पियर पर कैप लग चुका है। राजेंद्र चौक के आगे डेक स्लैब का काम युद्ध स्तर पर जारी है। सिरम टोली और मेकॉन चौक दोनों ओर अप और डाउन रैंप बनाने पर काम हो रहा है और ओवर ब्रिज के पास गुजर रही हरमू नदी के ऊपर भी काम शुरू किया जा चुका है। हरमू नदी ब्रिज के साथ साथ रांची रेलवे स्टेशन और ओवर ब्रिज के करीब रेलवे लाइन के ऊपर भी ब्रिज का निर्माण जारी है जो लोहरदगा गेट के पास जाकर मिलेगा। मतलब इस रूट में एक हरमू नदी के ऊपर से दुसरा रेलवे लाइन के ऊपर से गुजरेगा फ्लाइओवर।

2 कांटा टोली फ्लाईओवर, जिसकी लंबाई 2.4 किलोमीटर हैं लागत 224 करोड़ रूपये है, जिसके शुरू होने का अनुमान मार्च 2024 हैं

कांटाटोली फ्लाईओवर बनने से सबसे ज्यादा फायदा बूटी मोड़ से आने वाले वाहनों को मिलेगा। बरियातू, कोकर, बूटी मोड़, बीआईटी, ओरमांझी, खेलगांव, रामगढ़, हजारीबाग आदि इलाके के लोग इस फ्लाईओवर के माध्यम से सीधे एयरपोर्ट, हिनू डोरंडा, धुर्वा, हटिया निकल सकेंगे। वही उधर से आने वाले लोग ही सीधे फ्लाईओवर के माध्यम से कांटाटोली के पास उतरेंगे। एयरपोर्ट से हजारीबाग, रामगढ़ आदि जाना काफी आसान हो जाएगा। इसके बनने से बहु बाजार, चुटिया सहित कई सड़कों पर ट्रैफिक व्यवस्था में बहुत सुधार आ जाएगा। इस क्षेत्र के लोगों को जाम से मुक्ति मिलेगी।

कांटा टोली फ्लाईओवर में कुल 44 पियर है जिसका निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। ज्यादातर पियर में कैप लग चुके हैं। सेगमेंट लगाने का काम भी शुरू हो चुका है। यहां कुल 486 सेगमेंट लगाए जायेंगे। आपको बता दें कि ढाई वर्षो के बाद दोबारा कांटाटोली फ्लाईओवर्स के अधूरे निर्माण को अप्रैल 2022 से शुरू किया गया है।

3 तीसरा रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर, जिसकी लंबाई 3.5 किलोमीटर हैं, लागत 558 करोड़ है, जिसके शुरू होने का अनुमान जनवरी 2025 हैं

रातू एलिवेटेड कॉरिडोर बनने से इस रूट पर रातू रोड, इटकी रोड पंडरा रोड के विभिन्न इलाकों के साथ ही बेड़ो, इटकी मंडार चांहो, बीजूपाड़ा, गुमला, लोहरदगा पलामू, लातेहार आदि जगह से आने वाले वाहनों का बोझ पड़ता है। इन्हें राजधानी के विभिन्न इलाकों में प्रवेश करने के लिए रातू रोड का ही इस्तेमाल करना पड़ता है, जिससे लोग घंटो जाम में फंसे रहते हैं। रातू कॉरिडोर के तैयार होने से लोगों को इस क्षेत्र में खासा राहत मिलेगी। जिसका असर रातू रोड के सभी बाईपास हेहल, पिपरटोली, हरमू बायपास रोड, पहाड़ी मंदिर रोड, इंद्रपुरी रोड, सुखदेव नगर थाना रोड आदि पर देखने को मिलेगा। रातु एलिवेटेड कॉरिडोर में कुल 101 पियर है जिसमें करीब 80 प्रतिशत पियर का निर्माण हो चुका है। पियर को खड़ा किया जा रहा है। बिरला बोर्डिंग के पास चट्टान निकल जाने से इस निर्माण कार्य में बढ़ा आई थी लेकिन काम जारी है। कई जगह पर गर्डर लगाने का काम शुरू हो चुका है। रांची के सभी तीनो फ्लाईओवर में सबसे लंबा फ्लाइओवर यही वाला है।

03 लाख

गाड़ियां हर दिन दौड़ता है रांची में, कुल 14 लाख निबंधित गाडियां है राजधानी रांची में

लोगो के पॉकेट को मिलेगी राहत

तीनों फ्लाईओवर निर्माण के बाद राजधानी रांची की अन्य सड़कों पर वाहनों का दबाव कम हो जाएगा जिससे पेट्रोल और डीजल की खपत में तीस प्रतिशत तक की कमी आ जाएगी। अगर अभी चार पहिया वाहन चालक एक महीने में 10 हजार का तेल भरवाता है तो फ्लाईओवर निर्माण के बाद यह खपत महीने में 7 हजार रुपए होगी। इस तरह एक साल में 36 हजार की बचत एक व्यक्ति को होने का अनुमान है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिले सांसद संजय सेठ

रातू रोड में निर्माणाधीन फ्लाई ओवर का नाम अटल एलिवेटेड कॉरिडोर रखने का किया आग्रह

नई दिल्ली में सांसद संजय सेठ ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान सांसद ने केंद्रीय मंत्री को रांची लोकसभा क्षेत्र में एनएचएआई के द्वारा संचालित परियोजनाओं की जानकारी दी। सांसद ने केंद्रीय मंत्री को रांची के रातू रोड में निर्माणाधीन एलिवेटेड कॉरिडोर की गति प्रगति से अवगत कराया और इसका नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के नाम पर करने से संबंधित आग्रह पत्र भी सौंपा।

सांसद श्री सेठ ने मंत्री को कहा कि इस कॉरिडोर को लेकर इस क्षेत्र की जनता का सुझाव है कि इसका नामकरण भारत में सड़कों के चतुर्दिक विकास की नींव रखने वाले पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जी के नाम पर किया जाए। श्री सेठ ने इसका नाम "अटल एलिवेटेड कॉरिडोर" रखने का सुझाव दिया। केंद्रीय मंत्री से मुलाकात के बाद सांसद ने बताया कि केंद्रीय मंत्री ने इस सुझाव को सहर्ष स्वीकार किया है और इस पर यथाशीघ्र सकारात्मक पहल करने की बात कही है।

रांची के रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर के नीचे दिखेगी झारखंड की अद्भुत खूबसूरती

रांची के रातू रोड में निर्माणाधीन एलिवेटेड कॉरिडोर झारखंड की कला और संस्कृति के साथ ही पर्यावरण की छटा भी देखने को मिलेगी। इसके लिए एनएचएआई और केसीसी बिल्डकॉन के द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है। इसे लेकर रांची के सांसद श्री संजय सेठ के निर्देश पर काम भी शुरू हो गया है। यह प्रयास किया जा रहा है कि रांची का यह एलिवेटेड कॉरिडोर देश के चुनिंदे कॉरिडोर में शामिल हो सके। ऐसी तैयारी की जा रही है ताकि एलिवेटेड कॉरिडोर से गुजरने वालों को झारखंड में होने का एहसास होगा।

झारखंड की कला संस्कृति को देखने का अवसर मिलेगा। यहां के महापुरुषों की जीवन गाथा भी दिखेगी। इस कार्य के लिए नागपुर की एक एजेंसी से संपर्क किया गया है। वह एजेंसी इस एलिवेटेड कॉरिडोर के सभी पीलर को बेहतर तरीके से सजाने की तैयारी कर रही है। इस साज-सज्जा में लगभग 2.5 करोड़ रुपए का खर्च आने की संभावना है। एजेंसी जो तैयारी कर रही है, उसके अनुसार इस एलिवेटेड कॉरिडोर को 5 जोन में बांटा गया है। उसी 5 जोन के अनुसार इसे सजाया जाएगा। जिसमें ट्राइबल जोन, पर्सनैलिटी जोन, स्पोर्ट्स जोन, सोशल एवरनेस जोन और ग्रीन जोन शामिल हैं। पर्सनैलिटी जोन में झारखंड के महापुरुषों भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धो कान्हो, नीलांबर पीतांबर, चांद भैरव सहित कई महापुरुषों की जीवन गाथा देखने को मिलेगी। वहीं स्पोर्ट्स जोन में हॉकी, फुटबाल, तीरंदाजी, ओलंपिक सहित अन्य खेलों से जुड़े झारखंड के खिलाड़ी और उनकी उपलब्धियां देखने को मिलेंगी। ग्रीन जोन में झारखंड की नदियों, पहाड़ों और झरनों की हरी भरी छटा दिखेगी। सोशल अवेयरनेस जोन में कई प्रकार के सामाजिक संदेश होंगे। इस एलिवेटेड कॉरिडोर के पिलर पर रांची के आसपास के झरनों की छटा भी देखने को मिलेगी। जो बेहतर लाइटिंग से सजी हुई होगी। इसके अलावा स्टील के प्लेट पर रंग बिरंगी लाइटिंग की भी तैयारी की जा रही है। ताकि उसके प्रभाव से कॉरिडोर और भी खूबसूरत दिखे।

इसके अलावा इस कॉरिडोर के ऊपर की दीवारों पर भी सोहराय पेंटिंग, छऊ और पाइका की भी झलक देखने को मिलेगी। झारखंड के जंगल, झरने और वन्य जीव को 3डी के माध्यम से दिखाया जाएगा। इसके अलावा कॉरिडोर के नीचे पर्याप्त मात्रा में लाइटिंग की जाएगी। इससे इसकी खूबसूरती और बढ़ेगी। सांसद संजय सेठ ने बताया कि मार्च 2024 तक यह कॉरिडोर पूरी तरह से तैयार हो जाएगा, इसकी पूरी संभावना है। इसे सजाने के लिए मैंने संबंधित एजेंसी और विभाग को निर्देश दिए हैं। मैंने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि कॉरिडोर को इस रूप में सजाए जाए जिससे कि यहां झारखंड की झलक देखने को मिले। रांची और झारखंड के जल, जंगल, पहाड़, झरनों के साथ यहां की प्रकृति की अनुपम छटा, वन्यजीव, पर्यटन स्थल आदि की झलक इस सजावट में दिखे, इसके लिए भी मैंने निर्देशित किया है।

750 करोड़ से रांची में बनेगा डबल डेकर फ्लाइओवर

DPR तैयार , देखें तस्वीरें रांची में हरमू चौक से रातू रोड चौराहा से आगे तक डबल डेकर (दो तलों वाला) फ्लाइओवर बनेगा । इसके ऊपरी तल की ऊंचाई करीब 60 फीट की होगी ।

1. रांची में हरमू चौक से रातू रोड चौराहा से आगे तक डबल डेकर (दो तलों वाला) फ्लाइओवर बनेगा । इसके ऊपरी तल की ऊंचाई करीब 60 फीट की होगी । जबकि , दोनों तल तीन - तीन लेनवाले होंगे , यानी यह फ्लाइओवर कुल छह लेन का होगा । पथ निर्माण विभाग द्वारा कंसल्टेंट के रूप में नियुक्त की गयी रांची की कंपनी ' स्पर्श ' ने इसका डीपीआर तैयार किया है ।

2. करीब चार किमी लंबे इस फ्लाइओवर का प्राक्कलन लगभग 750 करोड़ रुपये का बना है । इस प्रोजेक्ट को दो साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है । प्रस्तावित फ्लाइओवर रातू रोड में बननेवाले ' एलिवेटेड रोड ' के ऊपर से गुजरेगा । पूर्व में हरमू फ्लाइओवर के लिए बनायी जा रही योजना में रातू रोड एलिवेटेड रोड को लेकर संकट हो रहा था , लेकिन इस फ्लाइओवर से समस्या नहीं होगी ।

3. डीपीआर में इसका हल निकाल लिया गया है । बताया गया कि प्रस्तावित डबल डेकर फ्लाइओवर के ऊपरी तल का इस्तेमाल कांके रोड की ओर से हरमू जानेवाले वाहन कर सकेंगे । हॉट लिप्स चौक (एसीबी दफ्तर) के पास से वाहन इस फ्लाइओवर पर चढ़ेंगे और सीधे हरमू चौक के आगे उतरेंगे । वहीं , नीचेवाले फ्लाइओवर पर हरमू की ओर से कांके रोड की ओर जानेवाले वाहन चढ़ेंगे ।

4. प्रस्तावित डबल डेकर फ्लाइओवर के निर्माण में विश्वस्तरीय तकनीकी का इस्तेमाल किया जायेगा । इसमें स्टील का पिलर होगा और ऊपर फ्रेम बनेगा । बाहर से स्टील और अंदर कंक्रीट होगा । इस तकनीकी से बनाने में कम समय लगेगा और हरमू रोड में कहीं भी भू - अर्जन की जरूरत नहीं होगी । निर्माण से कम से कम ट्रैफिक प्रभावित होगी । इस तरह का फ्लाइओवर पटना के अशोक पथ में बन रहा है । बेंगलुरु में भी जल्द बननेवाला है ।

5. साउंड और लाइट बैरियर लगेगा फ्लाइओवर की ऊंचाई बहुत अधिक होगी , ऐसे में लोगों के घरों में गाड़ियों की आवाज और लाइट जायेगी । इसे लेकर भी योजना बनी है । साउंड और लाइट बैरियर लगेगा । साउंड बैरियर के लिए फोम की शीट लगेगी , ताकि कम से कम गाड़ियों की आवाज लोगों के घरों में जाये । इस परियोजना के साथ हरमू रोड का भी सौंदर्यीकरण होगा । हरमू पुल को चौड़ा किया जायेगा । सड़क पर ड्रेनेज सिस्टम भी होगा ।

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

मधुसूदन मोदक

थाना प्रभारी, डेली मार्केट, रांची

चंद्रयान 3 का चांद पर
पहुंचने के लिए देशवासियों
को शुभकामनाएं

बाबर कुरैशी

समाजसेवी एव युवा प्रदेश
अध्यक्ष, कुरैशी कॉन्फ्रेंस

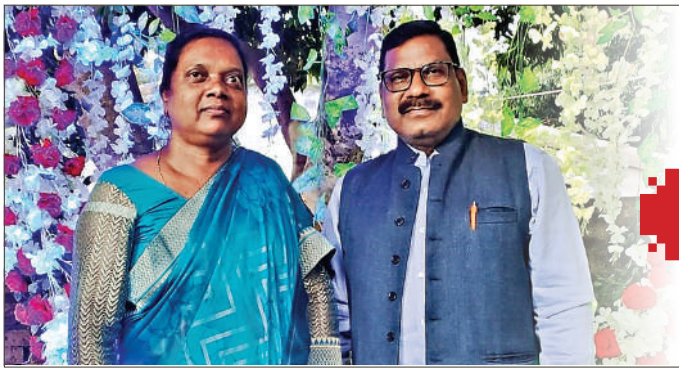

चंद्रयान 3 का चांद पर
पहुंचने के लिए देशवासियों
को शुभकामनाएं

भूषण खलखो

पूर्व प्रधानाचार्य
लूथरन उच्च विद्यालय, गुमला

चंद्रयान 3 का चांद पर
पहुंचने के लिए देशवासियों
को शुभकामनाएं

सरवर आलम

प्रभारी प्रधानाध्यापक
उर्दू प्राथमिक विद्यालय टोटो, गुमला

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के
लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

मुनेशा खातून

वार्ड आयुक्त
प्रत्याशी वार्ड नंबर 10,
हुसैन नगर, गुमला

मो. मुस्तफा (टिंकू)

प्रख्यात समाजसेवी, वार्ड
10, हुसैन नगर, गुमला

चंद्रयान 3 का चांद पर
पहुंचने के लिए देशवासियों
को शुभकामनाएं

कलीम अख्तर 'कल्लन'

उपाध्यक्ष, नगर परिषद, गुमला

प्रिंस राज श्रीवास्तव

एक ऐसे युवा जिन्होंने बदल दी रांची में रियल स्टेट की कहानी

हमारे पिछले अंक में पढ़ा हैं कि कौशल्या देवी मेमोरियल फाउंडेशन ट्रस्ट एवं एकता कांटेक्ट के संचालक प्रिंस राज श्रीवास्तव जिन्होंने छोटी उम्र में बड़े-बड़े काम और उपलब्धियां हासिल की है, जिन्हें रांची के कंस्ट्रक्शन क्षेत्र में विश्व स्तरीय या कहें कि विदेश जैसी क्वालिटी और सुविधा देने का सफल प्रयास किया है।

प्रिंस राज श्रीवास्तव

पिता	सतीश श्रीवास्तव
जन्म स्थान	रांची
शिक्षा	10वीं (लोयोला कन्वेंट, रांची) एवम 12वीं पुणे से
स्नातक	विधि (LAW) केआईआईटी यूनिवर्सिटी
एमबीए	जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी (बीएसएम एवं अन्य उच्च शिक्षा प्राप्त)
रुचि	अध्ययन करना एवं सामाजिक कार्य करना

प्रिंस राज श्रीवास्तव एक ऐसे युवा है जिन्होंने बदल दी रांची में रियल स्टेट की कहानी। कहने का मतलब यह है कि प्रिंस राज श्रीवास्तव करीब 10 साल पहले कुछ नया, कुछ अलग और बहुत अच्छा करने की मनसा ने उन्हें देश-विदेश जाकर अनुभव प्राप्त कर सीखने को प्रेरित किया। रांची में कार्य को लेकर उत्तेजना में कमी को महसूस करते हुए यह यहां क्रांतिकारी बदलाव लाना चाहते थे, जिसके वजह से यह देश की अलग-अलग बड़े-बड़े शहरों में अनुभव प्राप्त करने के साथ-साथ विदेश में कार्य के अनुभव के लिए गए। जिसमें प्रमुख रूप से जर्मनी, चीन और यूरोप शामिल है। इस दौरान इन्हें एहसास हुआ कि हमारा शहर रांची जहां पर लेबर स्किल की काफी कमी है, मालिक और कर्मी के बीच समन्वय की कमी है, टेक्नोलॉजी की कमी है जो विदेशों में देखने को नहीं मिलती है। विदेश में काम की शैली बहुत स्किल्ड तरीके से की जाती है, वहां बड़े से बड़े अधिकारी अपने अधीनस्थों से शालीनता के साथ मिलते हैं और व्यवहार करते हैं, वहां की टेक्नोलॉजी स्टाइल काफी शानदार है।

विदेश में एक साल के अनुभव प्राप्त करने के बाद प्रिंस राज श्रीवास्तव ने ऐसी सोच ऐसी कार्यप्रणाली और टेक्नोलॉजी स्टाइल को रांची लाने की कोशिश की और उसी कोशिश के साथ आज यह कामयाब हो रहे हैं और रांची को विदेश वाली सुविधा उपलब्ध कराने की ओर लगातार अग्रसर हैं, लेकिन रांची को वैसी सुविधा उपलब्ध कराना आसान नहीं था क्योंकि यहां उस स्तर के मजदूर नहीं है, वैसी टीम नहीं है जो जर्मनी या विदेश जैसे कार्य को लागू कर सकें।

इन्होंने जब रांची में ऐसी कार्यशैली को धरातल पर लाने की शुरुआत की तो उनके साथ रहने वाले लोग दोस्त-रिश्तेदार कहने लगे यह बेकार काम है, ऐसा रांची में करना मुमकिन नहीं है। लेकिन प्रिंस राज श्रीवास्तव मजबूत इरादों के साथ आगे बढ़े और आज रांची वासियों को विदेश जैसी अच्छी सेवा देने की ओर अग्रसर है और आज ऐसा वक्त आ गया है कि जो दोस्त रिश्तेदार इनकी कामों को उनकी सोच को बेकार कहते थे आज उनकी कामयाबी देख उनके सहयोगी बने हुए हैं। न्यू कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी ग्रीन कॉन्सेप्ट और कस्टमर को कैसे अच्छी सुविधाओं के साथ पूर्ण संतुष्टि मिले इस पर यह ज्यादा फोकस करते हैं। युवाओं को कैसे सही मार्गदर्शन मिले। युवा कैसे कंस्ट्रक्शन क्षेत्र में अपना भविष्य सवारे इस पर यह निरंतर कार्य करते रहे हैं। विदेशी आर्किटेक्चर के साथ मिलकर ग्रीन प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं।

कुशल व्यवहार

इनके साथ जो काम कर रहे हैं उनके लिए सोचना, उनके जरूरतों का ख्याल रखना इनकी प्राथमिकता रही है। चाहे वह काम करने वाले लोग हो या इनके प्रोजेक्ट क्षेत्र के अगल-बगल के जरूरतमंद लोग हो, यह अपने प्रोजेक्ट के विकास के साथ-साथ उसके आसपास के क्षेत्र में भी कैसे उचित सुविधा उपलब्ध हो इस पर विशेष ध्यान देते हैं और उस पर काम करते हैं। आने वाले समय में इनकी एक ऐसी ड्रीम प्रोजेक्ट है जिसमे हजारों लोगो को घर के साथ रोजगार भी मिलेगी, जिसकी तैयारी इनके द्वारा की जा रही है।

सामाजिक दायित्व

एकता कॉन्टेक के विभिन्न कार्यों के साथ साथ ये अपने सामाजिक दायित्वों को बखूबी निभाते है जिसके लिए ये कौशल्या देवी मेमोरियल ट्रस्ट फाउंडेशन के माध्यम से निरंतर जरूरतमंदों के बीच खाना, कपड़े, और दवा का वितरण करते रहते है। साथ ही महिला सशक्तिकरण की दिशा में सराहनीय कार्य करते रहे है जैसे लड़कियों को रोजगार के लिए तैयार करना, उन्हे रोजगार देना, लड़कियों को अच्छी शिक्षा मिले इसके लिए हर संभव प्रयास करना शामिल है।

द्रोणागिरी प्रोजेक्ट

यह पूरी तरह से एक ग्रीन बिल्डिंग प्रोजेक्ट है जिसमें आपको सुविधाओं का एक विशेष स्तर देखने को मिलेगा जो सामान्यतः विदेश में या देश के मेट्रोज में देखने को मिलते हैं। द्रोणागिरी प्रोजेक्ट एक "सेल्फ ऑक्सीजन जेनरेटेड बिल्डिंग" होगा जो उसे बिल्डिंग में रह रहे लोगों को खुद ही ऑक्सीजन उपलब्ध कराने में सक्षम रहेगा।

बेजुबान जानवरों से है लगाव

बेजुबान जानवरों विशेषकर डॉग प्रजातियों के लिए यह बहुत कुछ करते हैं जिसके लिए यह कई एजेंसियों के साथ मिलकर सहयोग करते है। ठंड के दिनों मे डॉग्स को ठंड के मौसम में राहत देने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और उसके लिए निरंतर काम करते हैं सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं।

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

शेख करीम उर्फ कल्लू

सदर, हमदर्द पंचायत, गुमला

नव निर्वाचित अंजुमन इस्लामिया गुमला के सदर और सेक्रेट्री को मुबारकबाद

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

नव निर्वाचित अंजुमन इस्लामिया गुमला के सदर और सेक्रेट्री को मुबारकबाद

सुल्तान अंसारी

प्रख्यात समाजसेवी, गुमला

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

रेहान अहमद

पूर्व वार्ड आयुक्त, वार्ड 14, गुमला

समस्त देशवासियों, पुलिस प्रशासन एवं देश के सभी खिलाड़ियों विशेषकर गुमला जिला के खिलाड़ी एवं खेल प्रेमियों को चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के लिए शुभकामनाएं

सैयद जुन्नू रेन

निदेशक, स्पोर्ट्स एकेडमी, गुमला

अंजुमन इस्लामिया, गुमला के नवनिर्वाचित सदर मुशाहिद आजमी और सचिव मकसूद आलम को बहुत सारी मुबारकबाद

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

राम जी तिवारी

इंडियन रेलवे कैटरिंग कांट्रेक्टर

कृषि के क्षेत्र में झारखंड के राज्यपाल द्वारा सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित **राधा गोविंद साहू** जी को गुमला वासियों की ओर से ढेरों शुभकामनाएं...

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

मोईजूर रहमान

प्रधानाध्यापक
राजकीय मध्य विद्यालय, बरगी दाड,
रायडीह, गुमला

WANTED REPORTER

BLOCK AND DISTRICT LEVEL

CONTACT : 9110054784

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के
लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

रौनक अंसारी

सदर, अंजुमन इस्लामिया, नाड़ी नावाडीह, लोहरदगा

वरदान हॉस्पिटल

- हड्डी एवं नस रोग को अधुनिक मशीन द्वारा इलाज होता है
- नॉर्मल डिलीवरी एवं बड़ा-छोटा ऑपरेशन।
- आँख, दाँत, हर्निया, अपेंडिक्स, हाइड्रोसील, बच्चादानी इत्यादि का ऑपरेशन किया जाता है।

डॉ. प्रेमनाथ प्रभात

M.B.B.S. MS (Ortho) PMCH Patna

हड्डी, जोड़, गठिया एवं नस रोग विशेषज्ञ

TRAUMA AND JOINT REPLACEMENT SURGEON

मिलने का समय 10 बजे से 5 बजे तक
सोमवार, शुक्रवार (OPD)

ऑनकॉल 24 घंटे सेवा

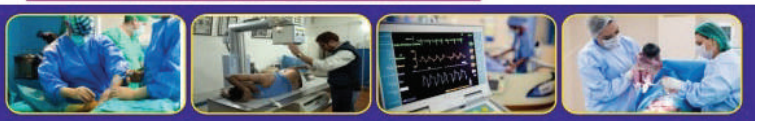

नोट – खून जाँच, X-ray, ECG उपलब्ध है।

मेन रोड, बस स्टैण्ड साइडिंग, लोहरदगा

Mob.- 7004226049, 7979028199

चंद्रयान 3
का चांद पर पहुंचने
के लिए देशवासियों
को शुभकामनाएं
रिजवान हुसैन
9939013884

ना पूछो जमाने से, क्या हमारी कहानी है।
हमारी पहचान तो बस इतनी है कि हम हिंदुस्तानी हैं।
चंद्रयान 3 का
चांद पर पहुंचने के
लिए देशवासियों
को शुभकामनाएं
जमीला खातून
पूर्व पार्षद- वार्ड संख्या- 49

चंद्रयान 3 का चांद पर
पहुंचने के लिए देशवासियों
को शुभकामनाएं
साजिद खान
एएसआई, चान्हो थाना, रांची

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के
लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

मेहंदी हसन

संवेदक, कुडू, लोहरदगा, झारखंड

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के
लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

अब्दुल वारिश

पूर्व वार्ड पार्षद, वार्ड नंबर 9, नगर परिषद,
लोहरदगा सह सदस्य, ज़िला योजना समिति

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के
लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

अफ़रोज़ अहमद

संवेदक, पावरगंज, लोहरदगा

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के
लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

इंजीनियर जाहिद आलम

सिविल कांट्रेक्टर, इस्लाम नगर, लोहरदगा

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के
लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

हाजी अब्दुल जब्बार

नाजीम, अंजुमन इस्लामिया, लोहरदगा

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

अवध पासवान

प्रखंड अध्यक्षभाजपा अनुसूचित जाति,टंडवा, चतरा, झारखंड

लाइफ हेल्थकेयर हॉस्पिटल

बेलाल मस्जिद, न्यू रोड, लोहरदगा

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

प्रताप मिंज

अंचल अधिकारी

(सी. ओ.)सिमडेगा

Top-11

Teachers & Education Institutions

जानिए कौन है....?

यदि आप या आपके आसपास ऐसे कोई व्यक्तित्व और संस्थान है जिन्होंने अपने जीवन को शिक्षा के प्रकाश फैलाने में लगा दिया हो तो उनकी विवरणी हमें भेजें, हम आपकी शिक्षा के क्षेत्र में सेवा की पहचान को देश की शहर से लेकर गांव तक पहुंचाएंगे.. ।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : 9110054784, 9334766002, 8789059677

email : policepublicreporter@gmail.com

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के
लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

शिवानी हार्डवेयर

कॉलेज रोड, सोबरन टोली, लोहरदगा

9955676988/7050694594

प्रोपराइटर : इंदल मिस्त्री

चंद्रयान 3

का चांद पर पहुंचने के लिए
देशवासियों को शुभकामनाएं

जूही परवीन

गुमला

चंद्रयान 3

का चांद पर पहुंचने के
लिए देशवासियों को
शुभकामनाएं

संदेश : सर्वोत्तम सेवा देश सेवा

रवि शंकर साहनी

पूर्व सैनिक, सिमडेगा

**चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के
लिए देशवासियों को शुभकामनाएं**

कृति अर्चना

प्रधानाध्यापिका

बिरसा रेजिडेंशियल स्कूल,
टोंगरी टोली सिमडेगा

चंद्रयान 3 का चांद पर
पहुंचने के लिए देशवासियों
को शुभकामनाएं

नवाज़ खान

मीडिया प्रभारी, आजसू पार्टी
कूडू लोहरदगा

चंद्रयान 3 का चांद पर
पहुंचने के लिए देशवासियों
को शुभकामनाएं

मुज्जमिल अंसारी

कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष सह मोमिन कॉन्फ्रेंस महासचिव,
ज्वाइंट सेक्रेटरी, अंजुमन इस्लामिया, लोहरदगा

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के
लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

प्रोपराइटर

कार्तिक कुमार महतो

साई टेंट एंड लाइट, छतर बगीचा, लोहरदगा

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

मुकेश कुमार

शाखा प्रबंधक, इंडियन ओवरसीज बैंक,
राणा चौक, एम एम मार्केट, लोहरदगा

स्वर्ण लोन, आवास लोन, कार लोन, प्रॉपर्टी लोन आदि लोन उचित ब्याज पर दी जाती है

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

राहुल कुमार चौबे

शाखा प्रबंधक, इंडियन बैंक/इलाहाबाद
बैंक, एम जी रोड, लोहरदगा

स्वर्ण लोन, आवास लोन, कार लोन, प्रॉपर्टी लोन आदि लोन उचित ब्याज पर दी जाती है

ADVERTISEMENT

Email :info@alkabirherbs.com

अल कबीर हर्ब्स

BEHIND SIDING BUS STAND DHORHA TOLI
KUTMU ROAD, LOHARDAGA -835302(JHARKHAND)

MOBILE NO -7482993829,7781046152,8434394592

अल कबीर हर्ब्स, लोहरदगा की जानकारी उपलब्ध YouTube

अल कबीर हर्ब्स की कहानी

हार्ट और किडनी का सफल ईलाज दुर्लभ वनस्पतियों का मिश्रण

अल कबीर हर्ब्स के संस्थापक व डायरेक्टर श्री हकीम मुमताज अहमद मिस्बाही का जन्म चुकी झारखंड के पहाड़ी इलाके में हुआ है इसलिए पेड़ पौधे और जड़ी बूटियां की महक से उनको अपनी ओर आकर्षित कर लिया और वह जड़ी बूटियां और पेड़ पौधों में घुल मिलकर अपने को शांत महसूस करने लगे। यह उसी फितरी आकर्षण और लगाओ का कारण है कि उन्होंने बचपन से ही अनेक जड़ी बूटियों के असर को परखना शुरू कर दिया और फिर आयु और शिक्षा में बढ़ोतरी के साथ उनके लगन में दिन-ब-दिन बढ़ोतरी होती ही चली गई। यहां तक की आज उनकी खोज और चाहत चरम पर है उनमें कुछ ऐसी खोज भी है जो उन्हें इंटरनेशनल हकीमो के लाइन में खड़ा करता है। कुदरती जड़ी बूटियो से इलाज के लिए उन्होंने कितना बलिदान बलिदान देना पड़ा इसका अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि 24 वर्षों तक लगातार झारखंड के वनों पहाड़ों नदी नालों वीरानों और सब्जारों की धूल च्छाअनने के बाद आखिर उन जड़ी बूटियां को ढूंढ निकालने में सफलता प्राप्त कर ही ली जिनसे बीमारियां बिना चीर फाड़ के बहुत जल्द ठीक हो जाती है अपने उन महान कारनामों के आधार पर यह कहने में कोई हिचकी चाहट नहीं की।

जो शोक दीवावरी हो तो देखने वालो
नकाब से जो छन जाए वह नगर लोओ

दस्ते कुदरत से बना तू भी कोई नक्शे अज़ीम
वस्ले हसरत से किसी महल की तामीर न देख।
अल्फाज वा मानी के गोहर क्यू ना मिलेंगे
जेहनो को सुंदर की तरह पहले खंगालो।
मुमताज अहमद मिस्बाही

अल कबीर हर्ब्स द्वारा निर्मित दावा के पूरा कोर्स के बाद जीवन भर हार्ट की दवा और परहेज की जरूरत नहीं

अल कबीर हर्ब्स मे दुर्लभ जड़ी बूटी से सभी तरह के गंभीर से गंभीर रोगों का सफल ईलाज के मामले मे नित नई इबारत लिख रहा है इसकी कर्म मे अल कबीर हर्ब्स के डायरेक्टर मुमताज़ अहमद मिस्बाही ने दुर्लभ जड़ी बूटियों से ऐसी दवा तैयार की है जिसके सेवन (पूरा कोर्स) कर लेने से दिल का दौरा (हार्ट अटैक) जीवन मे कभी भी नही पढ़ता है और जिन्हे हार्ट की समस्या न हो उनको भी कोर्स पूरा करने के बाद हार्ट की बीमारी जीवन में कभी नहीं होती है।

इस वैज्ञानिक युग में भी कुदरती चीजों का कोई मुकाबला नहीं हार्ट कुदरत की एक महान देन है इसका सफल इलाज भी कुदरती दवाओं से ही संभव है 24 वर्षों से लगातार प्रयोग करने के बाद अब पूर्ण रूप से यकीन व भरोसे के साथ हृदय रोगियों के लिए अलकबीर हर्ब्स की ऐसी पेशकश जिसने सैकड़ों को मौत के बिस्तर से उठा कर दौड़ा दिया और केवल हृदय ही नहीं बल्कि किडनी के रोगियों के लिए बहुत बड़ी खुशखबरी है पेसमेकर मशीन लगी हो या कई सारे स्टेट लगे हो या फिर ओपन सर्जरी हो चुका हो हार्ट की दवा का पूरा कोर्स करने के बाद जीवन भर हार्ट की दवा या परहेज की आवश्यकता नहीं पड़ती है।

क्या जड़ी बूटी के प्रयोग के द्वारा हार्ट की स्थाई ईलाज है? जी हा जड़ी बूटी के द्वारा हार्ट का कंपलीट और परमानेंट ईलाज है

हृदय का ऑपरेशन हृदय के रोगियों का स्थाई इलाज नहीं है क्या आप नहीं देखते की महंगी से महंगी जगह और भारी से भारी रकम खर्च करने के बाद भी रोगी की दवा नहीं छूटती और परहेज करना भी बंद नहीं होता है साथ ही जीवन भर कमजोरी का एहसास रहता है और रोगी इसी कारण वस मौत के मुंह में चला जाता है। ध्यान दें आखिर ऐसा क्यों जब इतना महंगा इलाज हुआ यानी पैर से कांटा निकाल दिया गया फिर भी दर्द बाकी ही रहा है आखिर यह लंगड़ा लंगड़ा कर चलना क्यों और फिर परहेज आवश्यक क्यों इसका मतलब है कि इलाज पूरा नहीं हुआ दिल का मरीज चाहे बच्चा हो या जवान अधेड़

हार्ट के मरीजों का जड़ी बूटी से निर्मित दवा शुरू होने के दस दिनों के भीतर ही परमानेंट छूट जाती है अंग्रेजी दवा

हो या बूढ़ा औरत हो या मर्द मर्ज किसी तरह का हो घबराहट हो या तेज धड़कन ब्लॉकेज हो या लीकेज सुराक बड़ा हो या छोटा वल्ब खराब हो या शुकड़ा गया हो सीने में दर्द रहता हो हपनी धड़कन या घबराहट से पसीना अधिक या कम निकलता हो बीपी कम हो या अधिक हो पर हर हाल में यह बिल्कुल ठीक हो जाता है। लाभ की तीव्रता दवा चालू होते ही 24 घंटे में इसका प्रभाव दिखने लगता है और रोगी आराम महसूस करने लगता है। इस दिनों में रोगी काफी बदल जाता है और 3 सप्ताह के बाद तो तब्दील का असर हर कोई महसूस करने लगता है चेहरे के रंग में तब्दीली नजर आने लगती है। ध्यान रखने लायक बातें। इन सच्चाइयों की रोशनी में अल कबीर हर्ष जिम्मेदारी के साथ ये ऐलान कर रहा है कि हृदय के रोगियों को अब ना कोई ऑपरेशन की आवश्यकता है और ना ही पेशमेकर लगवाने की।

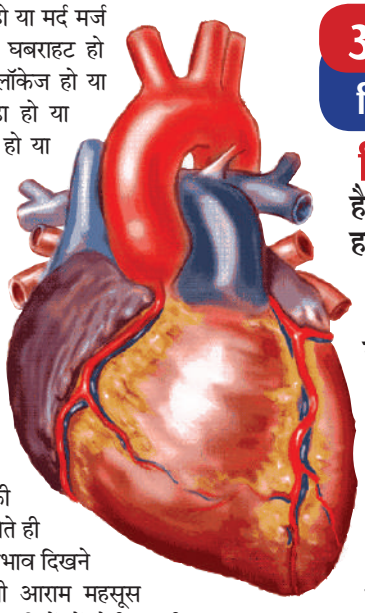

अल कबीर हर्ब्स की एक और बहुत बड़ी सफलता

किडनी के मरीज का स्थाई रूप से इलाज किडनी इंसान के शरीर महत्वपूर्ण अंग है

किडनी का काम : शरीर के सारे खून को किडनी से होकर गुजरना पड़ता है किडनी खून को साफ करके पेशाब करता है जो 24 घंटे में डेढ़ लीटर पेशाब हालबीन के द्वारा मसाना में भेजता है।

किडनी खराब होने का कारण : किडनी खराब होने के कई कारण हो सकता है। सर्वप्रथम हमारी जीवनशैली अत्यधिक अंग्रेजी दवाइयों का सेवन फलों और सब्जियों से अंधाधुंध कीटनाशकों का इस्तेमाल खास्कर बीपी शुगर डिप्रेशन तनाव आदि बीमारियों से बचने के लिए एलोपैथिक रास्तों को अपनाने में किडनी जल्दी और अधिक प्रभावित होता है।

लक्षण : जब किडनी खराब होने लगती है तो किडनी का सारा काम बंद होने लगता है खास तौर से आंखो के पापोटो पर सूजन होना शुरू हो जाता है। चमड़े का रंग फिका पढ़ने लगता है और रोगी को कमजोरी का एहसास होने लगता है।केराटिन सिरम और ब्लड यूरिया बढ़ने और हीमोग्लोबिन घटने लगता है। भूख काम होने लगती है। उल्टी का एहसास होने लगता है और ज्यादा बीमारी बढ़ जाने पर कुछ भी खाने से उल्टी हो जाती है। यहा तक की पानी भी पेट मे नही रह पाता है और सांस फूलने लगता है और मरीज़ काफी कमजोर होने लगता है। इसके बाद कोई भी दवा काम नही कर पाती है और मरीज़ डेलियाइस पर चला जाता है जो अस्थाई समाधान नही है अत: मर्ज बेकाबू हो जाता है और अंत: मरीज हमारे बीच नहीं रह पाता है।

अल कबीर हर्ब्स, लोगो के विश्वास और आस्था का प्रतीक

किडनी ट्रांसप्लांट कराने से बचना हो तो अल कबीर हर्ब्स पर करे भरोसा

छपरा बिहार की रहने वाली खुसबू कुमारी उम्र 6 वर्ष की दोनो किडनी सिकुड़ गया था। खुसबू के परिजन इसका ईलाज छपरा से लेकर पटना दिल्ली होते वेल्लोर तक कराया लेकिन सुधार के नाम पर कुछ नही दिख रहा था। वेल्लोर के चिकित्सा इसका ईलाज सिर्फ किडनी ट्रांसप्लांट बता रहे थे। घर वाले परेशान थे की आखिर इस नन्ही सी बच्ची की जान कैसे बचाया जाए। इतनी छोटी सी बच्ची का किडनी ट्रांसप्लांट कराना और इस मे आने वाली खर्च के बारे मे सोचकर ही घरवालो की आंखे से आंसू आ जा रहे थे। लेकिन कहते है न की ऊपर वाले हर किसी को मुसीबत मे एक राह जरूर दिखाता है। इनके साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ घर परिवार मे चर्चा के दौरान अल कबीर हर्ब्स की अखबार मे छपी खबर पर इनकी नजर पड़ी। परिवार वालो ने बिना देर किए खुशबू को अल कबीर हाउस ले आए अल कबीर हर्ब्स लोहरदगा के हकीम साहब द्वारा खुशबू का इलाज शुरू करते ही खुशबू में तेजी से सुधार आने लगा 4 माह के इलाज के बाद खुशबू अब पूरी तरह से स्वस्थ है इसका eGFR 139 हो गया है ।अब दवा भी बंद हो चुकी है खुशबू के परिजन अल कबीर हाउस लोहरदगा के इलाज से पूरी तरह से संतुष्ट है खुशबू अब आम बच्चों की तरह घर के बाहर खेल भी रही है और स्कूल भी जाना शुरू कर दिया है।

बिगड़े नस,उतरे गर्दन व हर तरह के मोच को ठीक कर देता है :कलीमुद्दीन

शरीर के किसी भी अंग मे हड्डी या नस से संबंधित कोई भी दर्द या समस्या हो या किसी भी अंग मे छोटे मोच चलने दौड़ने अथवा फिसल कर गिरने या सोने में किसी तरह की नस दब गई हो या मुड़ गई हो तो अब दर्द सहने की जरूरत नहीं है इन सब समस्याओं के निदान के लिए अलकबीर हाउस में कलीमुद्दीन मौजूद है कलीमुद्दीन को ऊपर वाले ने कुछ विशेष गुण दिया है उनके हाथ लगाते ही हड्डी और नस से संबंधित किसी भी प्रकार की तकलीफ तुरंत दूर हो जाती है कलीमुद्दीन मालिश के द्वारा ही सारा इलाज करते हैं।

हमने अल कबीर हर्ब्स पर विश्वास किया हृदय रोग से मुक्ति पाई :गोकुल चंद जायसवाल

लोहरदगा स्थित अल कबीर हर्ब्स मेरे जीवन में खुशियों का वह पल दिया जिसकी कल्पना ना तो हमने किया था ना ही मेरे परिजनों ने यह कहना है बिहार के कैमूर जिला के मोहनिया निवासी गोकुल चंद जायसवाल का वह लगभग 2 वर्ष पहले हृदय रोग से ग्रसित थे श्री जायसवाल ने बताया कि अचानक उनके हृदय में दर्द हुआ लोगों ने कहा कि ब्लड प्रेशर की वजह से यह दर्द हुआ है पर दर्द बढ़ता गया।राहत के लिए कैमूर में प्राथमिक इलाज कराया परंतु डॉक्टर ने मुझे बेहतर इलाज के लिए बाहर जाने की सलाह दी मेरे परिजनों ने मुझे पहले पटना से वाराणसी ले गए जहां नामी-गिरामी चिकित्सकों ने मेरा इलाज किया इलाज के दौरान पानी की तरह मेरे पैसे भी खर्च हुए और फायदा के नाम पर कुछ भी नहीं हुआ दिन-ब-दिन मेरी हालत बिगड़ती जा रही थी । इसी बीच मे सभी डॉक्टरों ने बाईपास सर्जरी की सलाह दी। तभी मुझे अल कबीर हर्ब्स के बारे मे पता चला जहां बगैर ऑपरेशन के हृदय रोग का सत प्रतिशत सफलतापूर्वक इलाज किया जाता है। यह खबर हमारे परिजनों के लिए ऊर्जा संचार करने वाला साबित हुआ।हम लोग बगैर देर किए अल कबीर हर्ब्स पहुंचे। जहा हकीम साहब नै प्राकृतिक रूप से बने जड़ी बूटी के माध्यम से मेरा ईलाज शुरू किया।4 महीने के बाद मैं पूरी तरह से तंदुरुस्त हो गया हूं ।आज मुझे किसी तरह की कोई परेशानी नहीं है। मैं दवाई भी छोड़ चुका हूं और अपने घर का सारा काम पहले की तरह करने लगा हु। अल कबीर हर्ब्स मेरे लिए वरदान साबित हुआ जिसने मुझे नया जीवन दिया । झारखंड औषधालय के हकीम साहब का मैं सदा आभारी रहूंगा। मैं देश के आम जनता को मशवरा देता हु कि ऑपरेशन से बचे और हृदय रोग का स्थाई इलाज अल काबीर हर्ब्स में करा कर देखें ।भाइयों भरोसा ना हो तो हमारे फोन नंबर 9973045545 पर हमसे बात कर हकीकत से रूबरू हो सकते हैं।।

रायपुर कोलकाता और दिल्ली से लौटने के बाद अल कबीर हर्ब्स में बंद हुआ दिल का छेद

मेरी 8 साल की बेटी आफिया फरहत की तबीयत आए दिन खराब रहती थी।बार-बार सर्दी बुखार और खांसी होती रहती थी ।वजन भी नहीं बढ़ रहा था। भूख भी नहीं लगती थी और दिन-ब-दिन वह कमजोर होती जा रही थी। स्थानीय चिकित्सक के इलाज में कोई फायदा नहीं होता देख मैं रायपुर के एक नामी अस्पताल में इसकी जांच कराया तब जाकर पता चला कि मेरी बेटी के दिल में 16 MM का छेद है ।वहां के डॉक्टर ने ऑपरेशन की सलाह दी। इतनी छोटी बच्ची के ऑपरेशन के नाम पर ही मैं डर गया और उसे कोलकाता ले गया ।वहां के डॉक्टर ने भी ऑपरेशन की ही बात कही।लेकिन मैं ऑपरेशन के लिए तैयार नहीं था ।इसलिए मैं अपनी बेटी का दिल्ली एम्स में इलाज करने का निर्णय लिया जहां चिकित्सकों ने कहा कि दिल का छेद दावा से भर सकता है लेकिन 16 एमएम की छेद दिन-ब-दिन बढ़ता ही जाएगा ।इसका हल सिर्फ और सिर्फ ऑपरेशन है इसके इलाज में चिकित्सकों ने लगभग 5 लाख का खर्च बताया। बच्चे की हालत ठीक नहीं रहने के बावजूद कहीं तो उसका इलाज होगा इस विश्वास के साथ हम वापस अपने घर चतरा लौटा आए। इस दरमियां मेरे मित्र अब्दुल रऊफ ने मुझे बताया कि तुम बेवजह परेशान हो अल कबीर हर्ब्स लोहरदगा में इलाज कराने से दिल में चाहे जितना बड़ा छेद भी हो भर जाता है ।मित्र की बात सुन कर कुछ आशा की किरण दिखाई दी।मैं बगैर देर किए अल कबीर हर्ब्स लोहरदगा पहुंचा जहां जांच के बाद हकीम साहब ने बताया कि अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है उन्होंने हर्बल जड़ी बूटियों से निर्मित दवा दिया और कहा दवा का कोर्स पूरा होने के बाद कहीं अच्छी जगह जाकर आप बच्ची की जांच करा लें। दवा का कोर्स पूरा होने के बाद जब मैं अपनी बेटी को जांच करवाया तो चिकित्सकों ने दिल में कोई छेद नहीं होने की बात बताई। तब मैं पूरी तरह से आश्चर्य चकित हो गया और मेरी बेटी अब पूरी तरह स्वस्थ है मैं और मेरा पूरा परिवार हकीम साहब का एहसान मंद रहेंगे।

हार्ट की बीमारी का जड़ी बूटी से बेहतर कोई दूसरा इलाज नहीं हो सकता:मोहम्मद नवाब

मेरा नाम मोहम्मद नवाब है मेरी उम्र 40 वर्ष है।मैं गाजीपुर यूपी का रहने वाला हूं। मेरा मोबाइल नंबर 7985113611य है ।गाजीपुर में मेरा स्थाई व्यवसाई है ।मेरे घर परिवार में सब कुछ ठीक से चल रहा था।इसी दौरान मुझे आभास हुआ कि मुझे काफी ज्यादा थकान हो रही है। शुरुआत में मैंने ज्यादा ध्यान नहीं दिया लेकिन धीरे-धीरे मुझे पसीना आने लगा और सीने मे भारी पन लगने लगा ।सीने में दर्द और जलन की भी शिकायत होने लगी ।इसी दौरान अचानक से दो बार बेहोश भी हो गया ।मेरे घरवाले काफी घबरा गए। आनन-फानन में मुझे स्थानीय चिकित्सक के पास ले गए ।जहां के इलाज से कोई सुधार नहीं हो रहा था ।तब मुझे एम्स दिल्ली में ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने हार्ट ब्लॉकिज होने की बात बताई ।एम्स के डॉक्टर ने मुझे दवा दिया और इसका एकमात्र इलाज ऑपरेशन बताया। हार्ट ब्लॉकिज की दवा खाने खाते खाते-खाते मेरा पूरा बदन में सूजन हो गया ।जांच कराने पर पता चला कि मेरी किडनी भी खराब हो रही है ।मेरी दोनों किडनी में सिस्ट भी था और मेरी किडनी थर्ड स्टेज तक खराब भी हो चुका था। हार्ट ब्लॉकिज के बाद किडनी खराब होने की जानकारी मिलने के बाद मेरे आंखों के सामने अंधेरा सा छा गया था। मुझे लगे लगा कि अब मेरा व्यवसाय का क्या होगा मेरे घर परिवार की जवाब देही का कैसे निवारण होगा। मै हर तरह से निराश होने लगा। इसी बीच अखबार के माध्यम से मुझे अल कबीर हर्ब्स लोहरदगा के बारे मे पता चला। एक बार तो मुझे यकीन की नही हुआ मेरे घर वाले भी जड़ी बूटी से ईलाज के लिए तैयार नहीं हुए। लेकिन इसी दौरान अल कबीर हर्ब्स लोहरदगा मे ईलाज करा चुके हार्ट के एक मरीज से संयोगवर्स मेरी मुलाकात हो गई। जिनसे बात करने पर मुझे पता चला कि दुर्लभ जड़ी बूटी के मिश्रण से निर्मित दवा से अल कबीर हर्ब्स लोहरदगा द्वारा हार्ट का सटीक ईलाज किया जाता है। उनसे बातचीत करने के बाद मुझे किसी और से मशवरा लेने की जरूरत नहीं पड़ी। मै बगैर समय गवाए अल कबीर हर्ब्स लोहरदगा पहुंचा। जहा हकीम साहब ने मेरे पूरे मर्ज को समझ कर जड़ी बूटी से मेरा इलाज शुरू किया। अल कबीर हर्ब्स लोहरदगा का ईलाज शुरू होने के 2 माह बाद ही मेरा लेबल 65 से बढ़ कर 110 हो गया था। मेरा सांस फूलना, थकान होना, पसीना आना, सीने में भरी पन, घबराहट एवम बेचैनी सब कुछ ठीक हो चुका था। मुझे लगता ही नहीं था की मै हार्ट का मरीज हू। मै अल कबीर हर्ब्स लोहरदगा के जड़ी बूटी से निर्मित दवा का 4 माह का कोर्स पूरा कर चुका हूं।अब मै पूरी तरह से स्वास्थ्य महसूस कर रहा हूं। मै अपना एंजियोग्राफी मुंबई के एक नामी गिरामी अस्पताल से करा कर देख चुका हु। मेरा हार्ट ब्लॉकिज पूरी तरह से समाप्त हो चुका हु।अब मै बिल्कुल एक युवा की तरह महसूस कर रहा हु। अल कबीर हर्ब्स के हकीम साहब को जड़ी बूटी की अदभुत जानकारी है। इनके हाथों मे सच कहूं तो जादू हु। अगर मुझे समय रहते अल कबीर हर्ब्स लोहरदगा की जानकारी मिल गई होती तो मै कीमती समय और पैसा बच गया होता। मुझे लगता है नामी गिरामी अस्पताल मे महंगे ईलाज के बजाय हार्ट के सभी तरह की बीमारी के लिए अल कबीर हर्ब्स लोहरदगा मे जड़ी बूटी से सटीक ईलाज होता है।

मेरे हार्ट ब्लॉकेज का अल कबीर हर्ब्स में हुआ सफल इलाज

मेरा नाम अब्दुल रऊफ है। मेरी उम्र 51 वर्ष है मै चतरा जिला का रहने वाला हूं। मेरा मोबाइल नो 8340 611 522 है। एक वर्ष पूर्व मुझे अचानक कमजोरी सी महसूस होने लगी। चार कदम चलने पर सांस फूलने लगा और थकावट होने लगी। रह रह कर चक्कर आना और पसीना निकालना रोज की बात हो गई। डॉक्टर से मिलने पर मुझे हृदय रोग होने का पता चला। मेरे परिजन ने मेरा इलाज रांची के एक बड़े अस्पताल मे करवाया। जहा सभी बड़े डॉक्टरों ने मुझे आपरेशन की सलाह दी। ऑपरेशन के काम से ही मै घबरा गया और पैसे का इंतेजाम करने की बात कह कर घर चला गया। मेरे साथ साथ मेरे घर वाले भी चिंतित हो गए। इसी बीच 1 दिन अखबार के माध्यम से अल कबीर हर्ब्स लोहरदगा मे जड़ी बूटी से हृदय रोग की सफल इलाज होने की जानकारी मिली। ऑपरेशन के बजाय जड़ी बूटी से हृदय रोग का ईलाज होने की जानकारी मिलते ही मैं तुरंत अल कबीर हर्ब्स लोहरदगा पहुंचा। अल कबीर हर्ब्स के हकीम साहब को अपनी सारी परेशानी बताई और अपना सारा रिपोर्ट दिखाया। हकीम साहब ने धैर्य रख कर दवा का कोर्स पूरा करने की बात कही। मैंने अल कबीर हर्ब्स के 4 महीना का कोर्स पूरा कर लिया।अब मै बिल्कुल ठीक हु। मुझे किसी तरह की कोई परेशानी नहीं है। मैने अपने ब्लॉकिज का जांच भी करा कर देखा।अब कहीं ब्लॉकिज नहीं है । मुझे लगता है अल कबीर हर्ब्स किसी वरदान से कम नहीं है। जड़ी बूटी का पता मुझे अल कबीर हर्ब्स आकर पता चला।

हार्ट ब्लॉकेज दूर करने के लिए अलकबीर हाउस की हर्बल दवा है कारगर

मैं सुशील कुमार उम्र 47 वर्ष चाणक्य नगर पटना का रहने वाला हूं ।मेरा मोबाइल नंबर 9931282723 है। मैं पटना के एक कोचिंग में बच्चों को पढ़ना और अपने परिवार के साथ हंसी-खुशी जीवन जीना यही हमारी दिनचर्या थी कि अचानक एक दिन मुझे हार्ट अटैक हो गया फिर मुझे पटना के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां 99% हॉट ब्लॉकेज होने का पता चला ।मेरे परिवार में कई पारिवारिक मित्र डॉक्टर हैं बावजूद इसके प्रारंभिक इलाज के बाद सभी ने मेरा इलाज दिल्ली में कराने का निर्णय लिया।फिर दिल्ली के एक नामी गिरामी हृदय रोग विशेषज्ञ से मेरा इलाज चलने लगा। दिल्ली के चिकित्सक ने सर्जरी से बचने के लिए जीवन भर दवा खाने खाने और परहेज करने की सलाह दी ।मैं 6 7 वर्ष तक उनके निर्देश पर दवा लेता रहा और जीवन जी रहा था। परंतु कोरोना काल के बाद मुझे रेगुलर चेकअप में परेशानी होने लगा और दवा से मेरा मुंह का टेस्ट भी बिगड़ने लगा साथ ही सीने में हल्का-हल्का दर्द भी होने लगा इसी दौरान मुझे अखबार के माध्यम से अल कबीर हर्ब्स के बारे में पता चला ।मैं एक बार अल कबीर हाउस से अपना इलाज करने का निर्णय लिया और लोहरदगा पहुंच गया जहां हकीम साहब से मेरी मुलाकात हुई उन्होंने मेरी पूरी बात सुनी और कहां की सही समय रहते मै अल कबीर हर्ब्स लोहरदगा पहुंच गया हु अब सही इलाज होगा । हार्ट बी ब्लॉकिज का हकीम साहब से इलाज शुरू किया और अब मैं चार माह तक दवा का कोर्स पूरा कर चुका हूं।अब मुझे हार्ड ब्लॉकिज की कोई समस्या नहीं है सभी तरह के परहेज से मुझे निजात मिल चुकी है अब मै अपने जीवन के नॉर्मल रूटीन में लौट चुका हूं मुझे ऐसा लगता है की शुरुआत की दिनों में अगर मै अल कबीर हर्ब्स चला गया होता तो मेरे जीवन का 6 7 वर्ष बेकार नहीं होता और ना ही मेरी लाखों रुपया खर्च हुए होते। हकीम साहब की जड़ी बूटी से निर्मित दवा हार्ट ब्लॉकिज के इलाज के लिए पूरी तरह कारगर है। हकीम साहब ने मुझे नई जीवन दिया।

मैंने सोचा भी नही था की हार्ट ब्लॉक के जड़ से समाप्त होता है :जुबैदा

मै जुबैदा खातून झारखंड के चतरा जिले की रहने वाली हूं । मेरा 10 कदम चलने पर ही सांस फूलने लगता था और हफनी शुरू हो जाती थी। मैं बिल्कुल चलने फिरने से लाचार हो गई थी तब हजारीबाग के डॉक्टर से मैंने दिखाए इको, ईसीजी,अल्ट्रासाउंड आदि जांच के बाद चिकित्सक ने हार्ट ब्लॉकिज होने को की बात बताई।डॉक्टर ने जीवन भर दवा खाने की सलाह दी 2 साल तक मैं डॉक्टर की सलाह पर दवा लेती रही लेकिन मेरा मर्ज घटने के बढ़ता ही जा रहा था मैं पूरी तरह निराश हो चुकी थी तभी अचानक लोहरदगा में पढ़ रही मेरी बेटी के कहने पर अल कबीर हर्ब्स के हकीम साहब से अपना इलाज शुरू किया तभी 10 दिन दवा खाने के बाद ही मेरी तबीयत ठीक होने लगी हकीम साहब के दवा पर मुझे विश्वास होने लगा अब मैने 4 माह की दवा की कोर्स पूरी कर चुकी हूं मैं उसके बाद मैने अपना एंजियोग्राफी भी कराया है अब मेरे हार्ट में कोई ब्लॉकिज नहीं है हकीम साहब के इलाज से मैं पूरी तरह संतुष्ट हूं और उनकी शुक्रिया अदा करती हूं।

मेरे बेटे का दिल (हार्ट) मे 18 एमएम का छेद हुआ पूरी तरह से बंदः सुजाता सिंह (धनबाद)

मैं झारखंड के धनबाद की रहने वाली हूं ।मेरे बेटे के दिल में 18 एमएम का छेद हो जाने से हम हैरान और परेशान थे । उसका इलाज कराकर हौसला पस्त हो रहा था। हमें लोहरदगा के अल कबीर हर्ब्स के बारे में पता चला यहां के इलाज से हमारा बेटा आज पूरी तरह से ठीक हो गया है ।डॉक्टर ने मुझे वेल्लोर ले जाकर बेटे का ऑपरेशन कराने की सलाह दी थी।लोहरदगा के अल कबीर हर्ब्स के जड़ी बूटी से बने दवा से मेरा बेटे ठीक हो गया है ।सुजाता सिंह ने बताया कि जड़ी बूटी मे हर बीमारी का सटीक और संपूर्ण इलाज है इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है वही सुजाता सिंह ने बताया कि मेरी अवस्था 45 वर्ष है मैं झारखंड के धनबाद जिला अंतर्गत सिजुआ की रहने वाली हूं मेरा फोन नंबर 73719 23108 है।मै फैटी लिवर रोग से ग्रसित थी अब बिल्कुल ठीक हू।

मोतिहारी बेतिया और दिल्ली से लौटने के बाद अल कबीर हर्ब्स में बंद हुआ दिल का छेद।

मे रा डेढ़ साल का बेटा की तबीयत खराब रहती थी बार-बार सर्दी बुखार और खांसी होते रहती थी वजन भी नहीं बढ़ रहा था भूख नहीं लगती थी और दिन-ब-दिन वह कमजोर होता जा रहा था। फनी चिकित्सकों के इलाज से कोई फायदा नहीं होता देख मैंने बेरिया के एक नामी अस्पताल में इसकी जांच कराई तब जाकर पता चला कि मेरे बेटे के दिल में 9 एमएम का छेद है यहां के डॉक्टर ने ऑपरेशन की सलाह दी छोटे बच्चे के ऑपरेशन के नाम पर ही मैं डर गया और उसे दिल्ली ले गया वहां के डॉक्टर ने भी ऑपरेशन की बात कही लेकिन मैं ऑपरेशन के लिए तैयार नहीं था इसलिए मैंने ऑपरेशन के बजाय दवा से ही इलाज करने का निर्णय लिया जहां चिकित्सकों ने कहा कि दिल का छेद दवा से भर जाता है लेकिन 9 एमएम वाला 6 दिन ब दिन बढ़ता ही जाएगा इसका हल सिर्फ और सिर्फ ऑपरेशन है इसके इलाज में चिकित्सकों ने लगभग 500000 का खर्च बताया बच्चे की हालत ठीक नहीं रहने के बावजूद कहीं तो इसका इलाज होता और विश्वास के साथ हम वापस अपने घर लौट आए जान मेरे मित्र ने मुझे बताया कि तुम बेवजह परेशान होअल कबीर हाफ लोहरदगा में इलाज करने से दिल में चाहे जितना भी बड़ा छेद हो भर जाता है मित्र की बात सुनकर आशा की कुछ किरण दिखाई दी मैं बगैर देर किए अल कबीर हर्ष पहुंचा जहां जांच के बाद हकीम साहब ने बताया कि आपका आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है उनकी हर्बल जड़ी बूटी से निर्मित दवा दिया और कहा की दवा का कोर्स पूरा होने के बाद कहीं अच्छी जगह जांच करवा ले उसके बाद मैं जांच करवाया तो दिल में छेद नहीं था तब मैं परेशान हो गई हैरान हो गया कि यह आश्चर्य जनक बातें हुई अब मेरा बेटा पूरी तरह से ठीक है मेरा परिवार अल कबीर हाउस के कभी भूल नहीं पाएगा

ट्यूमर का पूर्ण इलाज हुआ संभव

ट्यूमर इंसान के किसी भी अंग में हो सकता है ।ट्यूमर छोटा हो या बड़ा ऑपरेशन की जरूरत नहीं है। चाहे वह ब्रेस्ट में हो ब्रेन में हो यूट्रस में हो या किडनी में हो अंदर हो या बाहर कहीं पर भी हो ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं है।

डायरेक्टर साहब की जुबानी

अल कबीर हर्ब्स एक कंपनी नहीं है बल्कि एक आंदोलनहै। जिसका मकसद भारत वासियों को हर्बल जड़ी बूटी की तरफ आकर्षित करना है ताकि बड़ी बड़ी बीमारियों का भी बिना साइड इफेक्ट के मुकम्मल इलाज किया जाए किडनी ट्रांसप्लांट से पहले एक बार अलकबीर हर्ब्स की दवा जरूर खाकर आजमाएं और ट्रांसप्लांट की जटिल प्रक्रिया से निजात पाएं क्या आपको खुशी नहीं होगी कि अब किडनी के मरीज का केरेनटाईइन चाहे कितना भी बढ़ा हो 2,4,6,8 12,20 जड़ी बूटी के इस्तेमाल से बिल्कुल नॉर्मल हो जा रहा है इतना ही नहीं eGFR बढ़कर 80, 90,100 ,112 हो जा रहा है हिमोग्लोबिन भी बहुत जल्द नॉर्मल हो रहा है। सबसे बड़ी खुशी इस बात की है कि डायलिसिस बंद हो जा रहा है अगर इन बातों पर आपको विश्वास नहीं है तो मतलब यह है कि आपने हर्बल को ठीक से समझा नहीं और ना ही समझने की कोशिश की।आपको दिल दिमाग में डाल दिया गया कि किडनी के मरीज कभी ठीक नहीं होते किडनी के मरीज का डायलिसिस और ट्रांसप्लांट ही विकल्प है तो यह सोचना बिलकुल गलत है।

हार्ट के इलाज में जितना लाख भी खर्च करने के बाद वह हार्ट का मरीज़ ही रहता है लेकिन अल कबीर हर्ब्स के हार्ट का चार माह का कोर्स पूरा करने के बाद उसको हार्ट का मरीज है नहीं कहते हैं बल्कि हार्ट का मरीज था कहते हैं । इसलिए की फिर यह मर्ज दोबारा नहीं होता है और कोई दवा भी नहीं चलती है ।

मुमताज अहमद मिस्बाही

अल कबीर हर्ब्स कैसे पहुंचे?

» रांची,पटना, पलामू, सासाराम, वाराणसी, से ट्रेन और बस की सुविधा मौजूद।
» देश के किसी भी हिस्से से ट्रेन द्वारा रांची - लोहरदगा अथवा टोरी स्टेशन पहुंच कर प्राइवेट गाड़ी se 26 किलोमीटर का सफर तय कर लोहरदगा आ सकते है।

ऑपरेशन अस्थाई और हर्बल स्थाई समाधान:रामाशीष सिंह

ऑपरेशन के बाद भी हार्ट ब्लॉकेज हुआ हर्बल ने समाधान दिया

दुनिया की सबसे बेहतरीन पैथी आयुर्वेद है है इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है बल्कि सटीक इलाज और संपूर्ण समाधान है तभी तो आधुनिक दुनिया में ऑपरेशन करवाना भी अस्थाई व्यवस्था है। जबकि हर्बल मेडिसिन स्थाई समाधान है। यह जानकारी बिहार पटना निवासी पूर्व आर्मी मैन रामाशीष ने कही। वह अल कबीर हर्ब्स लोहरदगा की दवा से हृदय रोग से पूर्ण रूप से मुक्ति पा चुके है।2022 मे हमे हृदय रोग हो गया था। इससे चलने फिरने मे काफी तकलीफ होती थी। इसको लेकर पटना के अस्पताल मे ईलाज करवाया। उन्हे बताया गया की आपके हार्ट मे ब्लॉकेज है । डॉक्टर्स ने ऑपरेशन कराने की सलाह दी।27 जनवरी को ऑपरेशन कराया। पांच महीने दवा खाए। इसका साइड इफेक्ट हो गया। तभी अल कबीर हर्ब्स लोहरदगा के बारे मे पता चला मैने हकीम साहब से मिल कर अपनी समस्या बताई उन्होंने 10 दिन की जड़ी बूटी से निर्मित दवा दिया। इसका चमत्कारी लाभ दिखने लगा।रामाशीष सिंह ने बताया कि हृदय की चारो धमनियों मे लगभग 95,90,60,40 फ़ीसदी ब्लॉकेज थे। ऑपरेशन भी करवाया था परंतु कोई फायदा नही दिखा था तभी अल कबीर हर्ब्स की दवा खाने के बाद बीमारी से निजात मिली गई।अब हृदय संबंधित कोई परेशानी नहीं है।अब मै अपना सारा काम खुद से करता हु। मैं अल कबीर हर्ब्स लोहरदगा का आभारी हूं। अधिक जानकारी के लिए मेरे नो 9431773770 पर संपर्क कर सकते हैं।

RAILWAY TIME TABLE

अल कबीर हर्ब्स लोहरदगा आने वाले बाहर के मरीजों के लिए रेल यातायात की सीधी सेवा उपलब्ध है।

RANCHI -LOHARDAGA PASSENGER

» 68135 -4.50 AM -6.20 AM » 68141- 6.40 PM -8.10 PM

RANCHI LOHARDAGA - TORI PASSENGER

» 68037-8.55AM-11AM-11.30 AM

RANCHI -LOHARDAGA SASARAAM

» 08635-5 PM -6.03 PM -1.00AM

LOHARDAGA -RANCHI PASSENGER

» 68136-7AM -8.30 AM

» 68040-4.45 PM -6.20 PM

» 68142-8.30PM -9.50PM

TORI LOHARDAGA -RANCHI

» 68038-12.00PM -12.54 PM -2.25 PM

SASARAAM LOHARDAGA RANCHI

» 08636-3.40 AM -9.00 AM -10.15 AM

जड़ी बूटी के मिश्रण से बनी दवा के सेवन से हार्ट ब्लॉकेज से मिली मुक्ति : संजय दास

भागलपुर बिहार के रहने वाले कपड़ा व्यवसाई संजय कुमार दास बताते हैं कि उन्हें अचानक से थोड़ा सा भी पैदल चलने पर थकान महसूस होने लगा सीने में दर्द की भी शिकायत रहने लगी वह व्यवसाय के सिलसिले में मेरा अक्सर कोलकाता मुंबई और बड़े शहर आना जाना लगा रहता था मैं कोलकाता के एक नामी डॉक्टर से अपना इलाज कराया तब मुझे हार्ट ब्लॉकेज होने का पता चला डॉक्टर ने मुझे दवा दिया और ऑपरेशन ही एकमात्र उपाय बताया मुझे ऑपरेशन के नाम से ही डर लग रहा था इसी बीच मेरे एक मित्र ने अल कबीर हर्ब्स के बारे में मुझे बताया मै बिना देर किए हकीम साहब से मिलकर अपनी परेशानी बताई हकीम साहब ने मेरी परेशानी को समझा और सभी तरह की जांच को दिखाने की बात कही और मेरा इलाज शुरू किया। 4 हफ्ते का दवा लेने के बाद मैं अपना मुंबई के अस्पताल में फिर से जांच कराया तो ब्लॉकेज नहीं होने की बातें बताया।मैं पूरी तरह से स्वस्थ हूं । मेरा सारा दवा बंद हो चुका है ।मै अल कबीर हर्ब्स के इलाज से पूरी तरह संतुष्ट हूं। व्यवसाय के कारण मैं अपना मोबाइल नंबर नहीं दे सकता हूं अधिक जानकारी के लिए आप मुझसे मेरे घर पर आकर मिल सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

H.O : Behind Siding Bus Stand,Dhorha Toli Kutmu Road, Lohardaga. Mob- 7781046152

CALL CENTRE MOB -7482993829 CALL FOR APPOINTMENT MOB -7870020223

कुरियर से दवा के लिए संपर्क करे 7781046152,7870020223

TUESDAY AND FRIDAY COLSED

WEBSITE : WWW.ALKABIRHERBS.COM

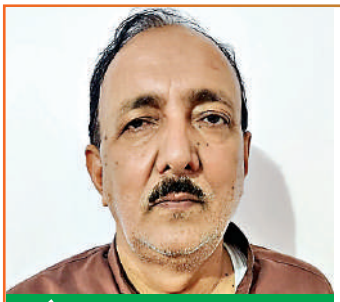

मोहम्मद शाहबाज

पिता और पुत्र की ओर से समस्त देशवासियों के साथ-साथ गुमला जिला के पुलिस व प्रशासन को चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के लिए शुभकामनाएं

अम्मार हसन

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

जमील अख्तर "लल्लन"

पूर्व वार्ड आयुक्त एवं प्रसिद्ध समाजसेवी, गुमला

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

कृष्णा बड़ाईक

जिला परिषद ठेठईटांगर (पूर्वी), सिमडेगा

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

गुप्ता मार्बल हाउस

नियर : हेड पोस्ट ऑफिस, लोहरदगा

DEALS IN : WALL/FLOOR & VITRIFIED TILES, MARBLES & SANITARY ITEMS, SINTEX, PIPES, GYPSUM, CORNIS FALSE CEILING, DECORATIVE FRODUCT, WALL PUTTY, GEYSER, WATER PURIFIER ETC.

सस्ता और अच्छा का गारंटी

CONTACT
7292898402

चंद्रयान 3
का चांद पर
पहुंचने के लिए
देशवासियों को
शुभकामनाएं

राजू गुप्ता

केंद्रीय सदस्य,
आजसू पार्टी, लोहरदगा

चंद्रयान 3
का चांद पर
पहुंचने के लिए
देशवासियों को
शुभकामनाएं

संजू सिंह

ज़िला कोषाध्यक्ष, आजसू पार्टी
सह पेशरार प्रभारी, लोहरदगा

चंद्रयान 3
का चांद पर
पहुंचने के लिए
देशवासियों को
शुभकामनाएं

विलियम कुजूर

ज़िला प्रधान सचिव
आजसू पार्टी, लोहरदगा

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के लिए
देशवासियों को शुभकामनाएं

इम्तियाज अंसारी

संवेदक, लोहरदगा

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के
लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

मो. अख्तर अली

थाना प्रभारी,
पेशरार थाना, लोहरदगा

WISH YOU
HAPPY DIPAWALI,
DHANTERAS & CHHAT

SHIV GOPAL LOK

Total Design & Print : Maddy, 9304681838

DELUXE FLATS ONLY FOR SELECTED PERSON

NEAR KANTATOLI CHOWK,
RANCHI, JHARKHAND.

2 & 3 BHK RESIDENTIAL FLATS

Developers :
SHIVAASHISH
CONSTRUCTIONS PVT. LTD.
AN ISO 9001 : 2008 CERTIFIED COMPANY

OFFICE
SHIV BIHARI COMPLEX, OFFICE NO. - 3AB, 3RD FLOOR, SAMLONG, LOWADIH, OPP VISHAKHA STEEL, TATA ROAD, NAMKUM, RANCHI, JHARKHAND -834010
url : www.shivaashishconstruction.com
email : shivaashish0003@gmail.com

RMC APPROVED PROJECT

CALL : + 91-7870100003, 9304380003, 9263660003

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के लिए देशवासियों को शुभकामनाएं

विमल नंदन सिन्हा

थाना प्रभारी, धुर्वा, रांची

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के लिए देशवासियों को शुभकामनाएं
सिमरन नाज
वार्ड आयुक्त प्रत्याशी
वार्ड नंबर 10, गुमला
मोइज आलम
समाजसेवी,
वार्ड 10, गुमला

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के लिए देशवासियों को शुभकामनाएं
कोमलिना जोजो
जल सहिया, , पंचायत घुटबाहर, ठेठईटांगर सिमडेगा

COMING SOON
MaxT Token
listed on
Centralised
Exchange
JOIN NOW
www.maximilian.live

बेकारी लाल से एक इंटरव्यू

पीपीआर लाइव इंडिया में आज हमारे सवालों का जवाब दे रहे हैं। भारत के जाने-माने बेकारी लाल झुनझुना वाला।

सरफराज कुरैशी

पहला सवाल !

बेकारी लाल जी कहा जा रहा है कि हमारा देश काफी विकास कर गया है । यहां पर अब वंदे भारत ट्रेन चल रही है । जिसकी रफ्तार काफी तेज है आप वंदे भारत ट्रेन देखे हैं । क्या ?

हां जी ! बिल्कुल देखा हूं ।

मुझे याद है जब मैं लोटा लेकर खेत में बैठा था । तब दूर से वंदे भारत ट्रेन गुजर रही थी । उसकी रफ्तार देखकर हमारी कब्जियत दूर हो गई । और बहुत खुलासा हो गया ।

बेकारी लाल जी।

आपकी सरकार तो बहुत पहले ही गांव गांव में शौच के लिए शौचालय बनवा दी है फिर आप खेत में लोटा लेकर खेत क्यों गए थे ?

ऐसा है की हमारी सरकार ने बकरियों के लिए शौचालय का निर्माण नहीं करवाया था। सो हमने भारतीय होने के नाते अपना बड़ा दिल दिखाया और अपना शौचालय बकरियों को दे दिया और मैं खेत.....।

वाह । आपने तो महान काम कर दिया ?

जी हां 95% भारतीय महान ही होते हैं।

बेकारी लाल जीआप कितना पढ़े लिखे हैं ?

मैं 90% भारतीयों की तरह बहुत ज्यादा ही पढ़ा लिखा हूं । बिल्कुल जीरो हूं। यदि 10 परसेंट भारतीयों में हमें लगा दिया जाए तो सौ हो जाएं ।

यदि आपके देश भारत में पढ़े-लिखे बहुत ज्यादा हैं। तो उनके कारनामे भी होंगे वह कौन सा बड़ा काम अब तक किए हैं ?

आप बता पाएंगे बेकारी लाल जी ?

हमारे देश की पढ़े लिखो की पहली विशेषताएं तो यह हैकि यहा बड़े-बड़े इंजीनियर है।

जो कि यदि काफी सुंदर सड़क बनवाते हैं तो वह महीने भर में टूट फूट जाती है । यदि वह किसी पुल का निर्माण करते हैं तो वह हल्के पानी में भगवान को प्यारी हो जाती है।

बेकारीलाल जी आपके देश के इतने पढ़े लिखे लोग है तो सीधी सी बात है बड़ी-बड़ी अदालते भी होंगी ?

बिल्कुल है । अनेकों है । लाखों में महोदय और वकील हैं ।

बेकारी लाल जी ।

हमने समाचार पत्र में पढ़ा था ।अपने देश में लाखों केस पेंडिंग पड़े हैं । कई केस तो ऐसे हैं जो 50 साल से पेंडिंग है। क्या वजह है ?

देखिए आपके लिए यह वजह हो सकती है । पर हमारे देशवासियों के लिए या आस्था का सवाल है ?

बेकारी लालजी इसमें आस्था कहां से घुस गयी ?

देखिए हम भारतीयं अपनी पत्नियों पर बहुत आस्था रखते हैं । और किसी भी प्रकार की छोटे बड़े कामों में अपनी पत्नियों से सलाह लेते है । बगैर सलाह लिये कोई काम नहीं करते है । चाहे वह छोटा मामला हो या बहुत बड़ा मामला हो । बगैर पत्नी के सलाह के कोई काम नहीं होता । जाहिर सी बात है । पत्नियां ऐसे व्यस्त रहती हैं । घर का खाना बनाती हैं । खुद के लिए शॉपिंग करती हैं । उन्हें फुर्सत मिले तो उनसे मशवरा किया जाए । उनसे सलाह ली जाए । आप हमारी बात समझ रहे हैं । ना तो भला बताइए यदि केस बड़ी संख्या में पेंडिंग है । तो या दुख की बात नहीं है। यह तो वक्त की बात है। पत्नियों को आज वक्त मिलेगा। कल सारा केस क्लियर हो जाएगा ।

बेकारी लाल जी आप या कहना चाह रहे हैं की इतना बड़ा देश पत्नियों के भरोसे टीका है ?

यह देश नहीं बल्कि पूरा संसार पत्नियों से भरोसे पर ही टिका है ।

बेकारी लाल जी आप कहना चाह रहे हैं की कोई मर्दअपने मन से अपने बल पर फैसला नहीं कर सकता ?

ऐसा नहीं है । वह अवश्य फैसला कर सकता है शर्त यह है की वह नशे में हो और हमारे देश मे सिर्फ 5 परसेंट नशेड़ी हैं ।

बेकारीलाल जी वास्तव मेंआप लोग महान हैं ।

क्यों इसमें कोई शक है क्या ? बिल्कुल महान है।

बेकारी लाल जी लोग कहते हैं । आपके देश में बेरोजगारी भुखमरी और गरीबों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है ?

लोग बकवास करते हैं। या झूठ बात है। बिल्कुल 100% झूठ । हमारे देश में गरीबों की संख्या एक परसेंट से भी कम है । यहां सिर्फ अमीर वास करते हैं। गरीबों का दूर-दूर तक नामोनिशान नहीं है

आप कैसे साबित करेंगे बेकारी लाल जी कि आपके देश में गरीब नहीं है। सारे लोग अमीर हैं?

मैं क्यों साबित करूं आप सर्वे करो । घर घर जाओ । और देखो जिसे आप गरीब कह रहे हो उनके यहां भी 40 से 50000 तक की मोबाइल फोन है। जिसमें हर महीने वह हजार रुपे का डाटा भरवा आते हैं । जो परिवार सिर्फ मोबाइल फोन के लिए 50000 खर्च कर सकता है । तो बताएं क्या गरीबी रेखा से नीचे का परिवार है । सच्चाई तो यह है कि लोग हमारे देश से जलते हैं । उन्हें हमारे देश के लोगों की खुशहाली देखी नहीं जा रही है वह यह बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं कि यहां के युवा हर नुक्कड़ पर मोबाइल लेकर के पब्जी खेलते नजरआ रहे हैं ।और मस्ती कर रहे हैं । या देश के लिए गौरव की बात है । आज नहीं तो कल लोग हमारे देश कीअमीरी कोअवश्य समझेंगे।

बेकारी लाल जी जब विदेश से आपके देश में लोग भ्रमण करने के लिए आते हैं । तो आप झोपड़पट्टी वालों को छुपा क्यों देते हैं ?

उनके सामने दीवारे क्यों खड़ी कर देते हैं ?

जिससे कि विदेश के लोगों पर आपके झोपड़पट्टी वालों के ऊपर नजर ना पड़े?

अगर वह इतने अमीर है तो बड़ी-बड़ी बिल्डिंग क्यों नहीं बनाते ?

आलीशान मकान क्यों नहीं बनवाते?

उसमें रहते तो सरकार को झोपड़पट्टी को छुपाना तो नहीं पड़ता क्यों ?

मुझे पता था यह प्रश्न आप अवश्य पूछेंगे ।

देखिए।

यह एक रिसर्च का मामला है। जो सरकार रिसर्च कर रही कि गरीबों का जीवन कैसा होता है। और यह रिसर्च विदेशों से आए लोगों को सरकार दिखाना नहीं चाहती है ताकि वह अपने देश में भी ऐसे लोगों पर दीवारे न बना दे या रिसर्च का मामला है हा,मैं इतना भरोसा दिलाता हूं कि यदि यह रिसर्च सफल हुआ तो संपूर्ण देशवासी उसी तरीके से जीवन यापन कर लेंगे फिर पूरे देश को छुपाने की जरूरत पड़ेगी छोटे से कस्बे को नहीं ।

बेकारी लाल जी ।

कुछ मनोरंजन से सवाल कर रहा हूं ।

अभी हाल ही में पठान फिल्म आई थी शाहरुख खान की उसने बहुत बड़ी कमाई की एक रिकॉर्ड बना । आप क्या कहेंगे ?

ऐसा है हमारे देश के एक मोहल्ले में किसी नचनिया को नचवा लीजिए देखिएगा1000 2000उसेतुरंत मिल जाएंगे लोग छूट देते हैंअब बताइए इतना बड़ा देश100 करोड़ मोहल्लेअब पैसे को गुना कर लीजिए और बताइए की खान या पठान कितना कम पैसा कमाया उसने चनिया से ।

बेकारी लाल जी ।

खेल से भी एक प्रश्न पूछना चाहता हूं क्रिकेट से ।

देखिए क्रिकेट से पूछना है ना तो आमिर खान से पूछिए वह बड़ी अच्छे से क्रिकेट को समझता है फिल्म वाला हीरो आमिर खान।

मुझसे अगले व्यंग में मुलाकात कीजिए । ।।।।।

आशीष कुमार सोनी ने बाबूलाल मरांडी को प्रदेश अध्यक्ष बनने पर दी बधाई

13 अगस्त को भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा हजारीबाग के जिला मंत्री सह सांसद प्रतिनिधि आशीष कुमार सोनी ने भारतीय जनता पार्टी के नव मनोनीत प्रदेश अध्यक्ष सह झारखण्ड के प्रथम माननीय मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी से भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय रांची में मिलकर अंग वस्त्र भेंट कर प्रदेश अध्यक्ष बनने पर बधाई दिया। आशीष कुमार सोनी एक युवा नेता के साथ-साथ प्रबुद्ध समाजसेवी हैं जिनके द्वारा समय-समय पर जरूरतमंदों की मदद की जाती रही है वे लगातार अपने सकारात्मक कार्यशैली की वजह से लोगों के बीच जाने जाते हैं।

टीम खिदमत ने अपना परचम लहराया, टीम कुतुब बुरी तरह हारी

रांची । सालो बाद हुए रिसालदार बाबा दरगाह कमेटी डोरंडा के नए गठन में बदलाव देखने को मिली। रिसालदार बाबा दरगाह कमेटी डोरंडा के चुनाव में टीम खिदमत ने अपना कब्जा मजबूती के साथ जमा लिया। टीम खिदमत ने अध्यक्ष, महासचिव सहित सभी पदों पर जीत हासिल रिसालदार बाबा दरगाह कमेटी डोरंडा की खिदमत का मौका पा लिया है। टीम कुतुब के सभी बड़े पद में खड़े हुए उम्मीदवार हार गए। कुल 138 वोटर्स में 136 लोगों ने मतदान किया। निर्दलिय में भी कुछ प्रत्याशी अपनी किस्मत अजमाए लेकिन कामयाब नहीं हो सके। मतदान से लेकर काउंटिंग पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से हुआ। मतदान के दौरान सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे। खुद डोरंडा थाना प्रभारी लक्ष्मीकांत मॉनिटरिंग कर रहे थे।

पहले वाले कमिटी पर है कई आरोप जिसमें करोड़ों रुपए के गबन का मामला है जिसे खिदमत ग्रुप आने वाले समय में ईडी से जांच करवाने की बात की थी, साथ ही अवैध रूप से कब्जा कर बनाए गए जगहों जिसमे दुकानें भी शामिल है को भी मुक्त कराएगी..! टीम खिदमत की जीत पर सय्यद शाह मौलाना अल्कमा शिबली, जमीला खातून, पप्पू गद्दी, फिरोज आलम, अशरफ अंसारी, हाजी मुख्तार, अकीलुर रहमान, दीपू सिन्हा, मो. तस्लीम, आफताब आलम, आजम अहमद, नदीम खान, मौलाना क़ुतुब उद्दीन रिजवी आदि ने बधाई दी।

कौन-कौन उम्मीदवार जीते

- **अध्यक्ष के 1 पद पर टीम खिदमत के अय्युब गद्दी**
- **उपाध्यक्ष के 2 पद पर टीम खिदमत से रिजवान हुसैन और बेलाल अहमद**
- **महासचिव के 1 पद पर टीम खिदमत के जावेद अनवर**
- **कोषाध्यक्ष के 1 पद पर टीम खिदमत के जैनुल आबेदिन**
- **संयुक्त सचिव के 2 पद पर टीम खिदमत के जुल्फिकार अली भुट्टो व मो. सादिक**

कार्यकारिणी के 9 सदस्य पद में खिदमत टीम से 6 और कुतुब से 3 जीते : आसिफ नईम, सरफराज गद्दी उर्फ समफा, साजिद उमर, मो. सज्जाद (बब्लू), नज्जू अंसारी, अनीस गद्दी, एजाज गद्दी, मो. आफताब आलम, अब्दुल खालिक कुतुब टीम का सुफड़ा साफ हो गया। कुल 16 पद में 13 पद टीम खिदमत ने अपने नाम कर लिया।

खिदमत टीम ने किए है कई वादे

अब खिदमत टीम के द्वारा किए गए 16 वादे जिसे ईमानदारी से खिदमत के साथ खिदमत करने की जिम्मेदारी खिदमत टीम पर है, अब देखना है कि ये अपने वादों पर कितना खड़े होते है और लोगो के भरोसे को कायम करते है। जानिए खिदमत के 16 वादे क्या क्या है

1. शिक्षा,स्वास्थ और महिलाओ को रोजगार से जोड़ना होगा।
2. मैरिज हॉल, साथ ही हॉल को मल्टी स्टोरेज बिल्डिंग बनाएंगे।
3. छात्र एवं छात्राओं के लिए जीपीएससी, यूपीएससी और एसएससी कोचिंग सेंटर को सुविधा बच्चियों को दी जाएगी।
4. हॉस्पिटल को कमेटी अपने अधीन कर चलाएगी जहां लोगों का मुफ्त इलाज होगा।
5. शादी के लिए अब मैरिज हॉल का ऑनलाइन बुकिंग भी होगी।
6. मैरिज हॉल को गरीबों को मुफ्त शादी के लिए दिया जाएगा।
7. लीगल सेल का गठन किया जाएगा।
8. हर साल 11 गरीब लड़कियों की शादी कराई जाएगी।
9. युवाओं के लिए रोजगार की व्यवस्थाकि जाएगी।
10. एक जकात फंड का निर्माण कर गरीब और जरूरतमंदों को मदद पहुचाई जायेगी।
11. मजार कमेटी के आय व्यय का हिसाब लगातार आवाम को दिया जाएगा।
12. एक मीडिया सेल का भी गठन किया जाएगा।
13. हर 3 साल में रिसलदार बाबा मजार कमिटी का चुनाव कराया जायेगा।
14. समय-समय पर खेल कूद, कलाकृति पेंटिंग कराई जाएगी।
15. मैट्रिक इंटर टॉपर छात्र छात्राओं को कमिटी के द्वारा लैपटॉप दिया जाएगा।
16. डोरंडा और रांची के सरपरस्तो को मिलाकर एक कमेटी बनाई जाएगी ।

आज़ादी का अमृत महोत्सव
G20 भारत 2023 INDIA
वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE
77वें स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएँ
सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक अनुषंगी कम्पनी)
दरभंगा हाउस, राँची - 834001 (झारखण्ड)
कोल इण्डिया Coal India
CCLRanchi
CentralCoalfieldsLtd
centralcoalfieldsltd
Central Coalfields Limited

चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के लिए देशवासियों को शुभकामनाएं
सुबोध कुमार सिंह 'गुड्डू'
प्रदेश मंत्री, भाजपा झारखंड प्रदेश

KURTA MAHAL
चंद्रयान 3 का चांद पर पहुंचने के लिए देशवासियों को शुभकामनाएं
कुर्ता महल
SPECIALIST IN KURTA PAJAMA, SHERWANI
FESTIVAL AND WEDDING COLLECTION
Proprietor
MOKHTAR AHMAD
OPP. URDU LIBRARY, MAIN ROAD, RANCHI
9431102786

आत्मसमर्पण नीति

सरकार द्वारा चिन्हित किये गये उग्रवादियों पर घोषित ईनाम की राशि आत्मसमर्पण करने पर उन्हें ही दी जायेगी।

आत्मसमर्पण करने वाले व्यक्तियों को घर बनाने के लिए 04 डिसमिल जमीन उपलब्ध करायी जायेगी।

प्रत्यर्पण करने वाले उग्रवादी की योग्यता एवं अभिरूचि के अनुसार पुनर्वास समिति द्वारा कौशल विकास विभाग, झारखण्ड द्वारा विभिन्न संकायों में व्यावसायिक प्रशिक्षण की व्यवस्था की जायेगी।

राज्य अन्तर्गत सरकारी चिकित्सा संस्थानों में उग्रवादी एवं उसके परिवार को निःशुल्क चिकित्सा की व्यवस्था की जायेगी।

आत्मसमर्पित उग्रवादी को उसके अनुरोध पर खुला जेल -सह- पुनर्वास केन्द्र में स्थानान्तरण की नियम सम्मत कार्रवाई की जायेगी।

आत्मसमर्पण हेतु निम्नांकित नम्बरों पर सम्पर्क करें

9431706376, 9431706182
9471182118, 9431706202

इसके अतिरिक्त आत्मसमर्पण हेतु थाना प्रभारी / पुलिस कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।

आत्मसमर्पण नक्सलियों के अच्छे आचरण के आधार पर उनके उपर चल रहे मुकदमों की पैरवी हेतु वकीलों पर उनके द्वारा किये जाने वाले व्यय की प्रतिपूर्ति / व्यय का भुगतान किया जायेगा।

निवेदक
पुलिस अधीक्षक, गुमला

ऑपरेशन नई दिशा के अंतर्गत देय सुविधाओं का लाभ उठाकर अपने एवं अपने परिवार का भविष्य उज्जवल करें।